शारदीय नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 285 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 06 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

चेन्नई के आसमान में राफेल और सुखोई ने दिखाई ताकत

वायुसेना के एयर शो में दिखा अद्भुत नजारा, भारतीय वायुसेना के 72 जहाजों ने उड़ान भरी

चेन्नई (एजेंसी)। अपनी 92वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारतीय वायु सेना ने आज तमिलनाडु के चेन्नई मरीना एयरफील्ड में एक एयर एडवेंचर शो का आयोजन किया। 21 सालों में पहली बार चेन्नई ने वायुसेना दिवस समारोह की मेजबानी की। इस बार यह समारोह पहले से कहीं ज्यादा भव्य हो रहा है। इस मौके पर मरीना बीच पर एक शानदार एयर शो के साथ भारतीय वायुसेना लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराने की भी कोशिश की जाएगी।

वायुसेना के मुताबिक, मरीना बीच पर होने वाले भव्य एयर शो में हिस्सा के लेने के लिए सुलूर, तंजावुर, तांबरम, अरक्कोणम और बेंगलुरु से भारतीय वायुसेना के 72 जहाज उड़ान भरी, जो पूर्वी तट पर मिलेंगे। इस एयर शो में भारत का गौरव कहे जाने वाला स्वदेश में बना लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के साथ-साथ राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटरजेट भी फ्लाईपास्ट में हिस्सा बने। इसके अलावा सूर्य किरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने भी अपने हवाई करतब दिखाए। साथ ही, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव एमके4 ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा नौसेना के पी8 आई और विंटेज डकोटा भी फ्लाईपास्ट में शामिल हुए।

पिछले कुछ सालों से भारतीय वायुसेना अलग-अलग शहरों में वायुसेना दिवस समारोह आयोजित कर रही है। पिछले साल प्रयागराज में और उससे पिछले साल चंडीगढ़ में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस साल चेन्नई में कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे वायुसेना की कोशिश है कि शो को जनता के करीब लाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग देश की हवाई क्षमताओं के साक्षी बनें।

जंगल में मिला युवक-युवती का शव

ग्रेटर नोएडा। दादरी कोतवाली क्षेत्र के मायचा गांव के जंगल में युवक-युवती का शव मिला है। जहर खाकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था व डीसीपी ग्रेटर नोएडा शादमियां खान ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की।

डॉग स्क्वायड टीम के द्वारा घटना स्थल के निरीक्षण के दौरान आसपास वोमेटिंग होना पाया गया है। प्रथम दृष्टयता जहरीला पदार्थ खाकर मृत्यु होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक व युवती दोनों बुलंदशहर के रहने वाले हैं।

सूचना पर पीड़ित स्वजन भी पहुंच गए। मृतक के भाई ने बताया कि युवक द्वारा उसके मोबाइल फोन पर मैसेज किया गया था। पीड़ित ने मैसेज पुलिस को उपलब्ध करा दिया है। डीसीपी साद मिया खान ने बताया कि हर बिंदु पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

उधर, सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बे में पड़ोस में रहने वाले युवक पर किशोरी को अगवा करने का आरोप लगा है। पीड़ित स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी किसी काम से घर से बाहर निकली थी। काफी देर तक घर नहीं लौटी। आसपास तलाश करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। पीड़ित पिता ने बताया कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक रोहित भी गायब है। पिता का दावा है कि रोहित ने ही उनकी बेटी को अगवा किया है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

दिल्ली में रामलीला के मंच पर हार्ट अटैक से कलाकार की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के विश्वकर्मा नगर में चल रही रामलीला के दौरान अभिनय करते हुए कलाकार की मौत हो गई। हार्ट अटैक होने से मौत होने की आशंका है। मृतक की पहचान सुशील कौशिक के रूप में हुई है।

इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि तबीयत खराब होने के बाद कौशिक जयश्री रामलीला के मंच से वापस चले गए और अचानक बेहोश होकर गिर गए।

इसके बाद उन्हें आनंद विहार के कैलाश दीपक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, लेफ्टिनेंट एसके कौशिक के पुत्र सुशील कौशिक पेशे से एक प्रॉपर्टी डीलर थे।

यति नरसिंहानंद पर हो यूएपीए के तहत कार्रवाई, नबी की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं : सांसद इकरा हसन

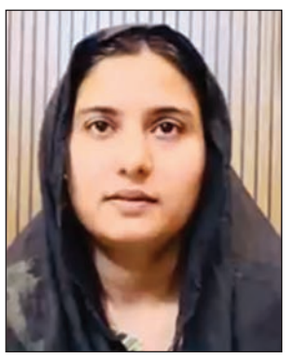

गाजियाबाद। पैगंबर मोहम्मद साहब सल्लल्लाहूअलैहीवसल्लम की शान में गुस्ताखी करने वाले यति नरसिंहानंद पर सपा की लोकप्रिय सांसद इकरा हसन ने नफरती बीज बौने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकारों से नरसिंहानंद पर यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्रवाई करने की मांग की है।

गाजियाबाद के डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद द्वारा पैगम्बर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी करने पर देशभर में उनके खिलाफ गुस्सा जाहिर किया जा रहा है। कैराना लोकसभा से सपा सांसद इकरा हसन ने वीडियो जारी कर विरोध दर्ज कराया है। सांसद ने कहा कि यति नरसिंहानंद जैसे ढोंगी, पाखंडी लोगों ने एक बार फिर अपनी गंदी जुबान से नफरत का जहर उगला है और हमारे प्यारे नबी की शान में गुस्ताखी की है, जो हम सबके लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। प्यारे नबी जो पूरी दुनिया के लिए रहमत और शांति का पैगाम लेकर आए थे, उनकी शान में यह अपनी गंदी जुबान से गुस्ताखी कर रहा है। जो हर अमन पसंद हिन्दुस्तानी चाहे वो हिंदू हो या मुसलमान, सब के लिए नाकाबिले बर्दाश्त है। उन्होंने कहा कि यह हर बार अपनी जुबान से नफरत का बीज बोकर कानून से बच जाता है, क्योंकि राज्य सरकारें ईमानदारी से अपना फर्ज नहीं निभा पा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं केंद्र व राज्य सरकारों के जिम्मेदारों से यह कहना चाहती हूं कि अब उनका ढुलमुल रवैया नहीं चलेगा। यति नरसिंहानंद और इन जैसे झूठे पाखंडियों के खिलाफ दिखावटी कार्रवाई ना की जाए, बल्कि हेट स्पीच, यूएपीए व एनएसए की गंभीर धाराओं में कार्रवाई हो, ताकि कोई भी भविष्य में ऐसी जुर्रत ना कर सकें।

एपल के 1600 मोबाइल लूट के नोएडा से जुड़े तार

नोएडा (चेतना मंच)। मध्यप्रदेश के सागर जिले के बादरी थाना क्षेत्र में लखनादौन-झांसी हाइवे पर 15 अगस्त को हुई एपल कंपनी के 1600 मोबाइल चोरी मामले में शनिवार को पुलिस ने नोएडा में दबिश दी। मेवाती गिरोह ने चोरी किये मोबाइलों में से एक की लोकेशन सेक्टर 63 थाना क्षेत्र में मिली। मध्यप्रदेश पुलिस ने शनिवार को स्थानीय पुलिस को साथ लेकर जांच की। मध्यप्रदेश पुलिस मोबाइल रिकवरी में जुटी है। टीम को उम्मीद है कि नोएडा समेत एनसीआर में भी लूट के मोबाइल को खपाया गया है।

मध्यप्रदेश सागर की क्राइम ब्रांच पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पुलिस 150 से ज्यादा मोबाइल खोज चुकी है, लेकिन अभी भी 1450 मोबाइल गुम हैं। जांच के दौरान एक मोबाइल की लोकेशन नोएडा के वाजिदपुर गांव में मिली। इसी के सिलिसिले में शनिवार को टीम सेक्टर 63 थाने पहुंचीं। स्थानीय पुलिस को केस के बारे में अवगत कराया।

थाने से टीम एच ब्लॉक चौकी पुलिस संग लेकर लोकेशन पर गई और जांच पड़ताल की। मध्यप्रदेश पुलिस ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य एकत्रित किये। थाना पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस टीम ने संपर्क किया है। क्राइम ब्रांच टीम का पूरा सहयोग किया जाएगा।

मध्यप्रदेश पुलिस के मुताबिक 14 अगस्त को चेन्नई से एपल कंपनी के चार हजार मोबाइल की खेप लेकर चालक चला था। सभी मोबाइल की दिल्ली डिलीवरी होनी थी। गिरोह ने चेन्नई से चले ट्रक को रेकी कर निशाना बनाया था। पुणे से गिरोह के सदस्य ट्रक चालक के संपर्क में आये थे। चाय के बहाने गार्ड की मदद से चालक तक पहुंचे और अपनी लाचारी दिखाकर ट्रक में बैठ गए थे।

अग्रवाल मित्र मंडल ने लगाया रक्तदान शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। अग्रवाल मित्र मंडल द्वारा अग्रसेन भवन पर लायंस क्लब दिल्ली नोएडा के सहयोग से रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 80 लोगों ने रक्त दान किया। रक्त दान करने वालो में मुख्य रूप से संस्था अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष पुनीत गर्ग, लायंस क्लब अध्यक्ष नितिन गुप्ता, महासचिव राघव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ आलोक गुप्ता, राधेश्याम गोयल, सी एस चौहान, नेत्रपाल अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, विकास बंसल, प्रदीप अग्रवाल, अनुज गुप्ता, श्रीकांत बंसल, संजय गोयल, मोहन लाल गुप्ता, मनीष गोयल, ग्रीराज अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सीए रोहित विजय गुप्ता, अनिल शर्मा, आकांशा अग्रवाल, अमिता गुप्ता, सुरभि अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोगो ने भाग लिया।

व्यापारी सुरक्षा दिवस के रुप में मनाया चेयरमैन का जन्मदिन

नोएडा। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ व्यापारी नेता मार्गदर्शक चेयरमैन उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल नवनीत गुप्ता का जन्मोत्सव व्यापारी सुरक्षा दिवस के रूप में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में विशाल रूप में मनाया गया। श्री गुप्ता का जन्म दिवस पर फ़ोन व संदेश के माध्यम से प्रदेश की विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा बधाई संदेश भेजे गए।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

विजिलेंस ने भेजा रिटायर आईएएस मोहिंदर सिंह को नोटिस, तीन दिन में पेश होने का आदेश

नोएडा (चेतना मंच)। ईडी के बाद विजिलेंस ने रिटायर आईएएस मोहिंदर सिंह से पूछताछ के करने के लिए नोटिस भेजा है। विजिलेंस ने उन्हें नोटिस रिसीव होने की तारीख से तीन दिन के अंदर पेश होने को कहा है। इससे पहले भी विजिलेंस की तरफ से उन्हें नोटिस भेजे गए थे, लेकिन वह विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए थे। उनके चंडीगढ़ के ठिकानों में छापेमारी के बाद ईडी ने भी उन्हें तलब किया था, लेकिन वह ईडी के सामने भी पेश नहीं हुए थे। जिसके बाद ईडी ने उन्हें पांच अक्टूबर को दोबारा तलब किया था। वह दूसरी बार भी ईडी के सामने पेश नहीं हुए।

बीएसपी सरकार के कार्यकाल में हुए करीब 1400 करोड़ के स्मारक घोटाले में तत्कालीन प्रमुख सचिव आवास एवं वर्तमान में रिटायर आईएएस मोहिंदर सिंह की भूमिका को संदिग्ध पाने के बाद विजिलेंस ने उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा था, लेकिन उस दौरान विदेश में होने के चलते वह विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए थे। हाल ही में ईडी ने नोएडा के जमीन आवंटन घोटाले में कार्रवाई के दौरान उनके चंडीगढ़ स्थित ठिकानों पर छापेमारी की थी। जहां से करोड़ों के हीरे, नकदी और कीमती संपत्तियों से जुड़े कागजात मिले थे। ईडी की कार्रवाई के बाद विजिलेंस ने भी उन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। उसके तहत ही विजिलेंस ने उन्हें नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया।

लखनऊ और नोएडा में स्मारकों के निर्माण को लेकर नौ जुलाई 2007 को हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में मिर्जापुर में हल्के गुलाबी रंग के सैंड स्टोन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध होने पर कुछ सुझाव दिए गए थे, जिनमें पट्टाधारकों के साथ अनुबंध किए जाने, कटिंग एवं कारविंग के लिए प्लांट स्थापित करने की बात तय हुई थी।

इसके कुछ दिन बाद जुलाई में ही एक और बैठक हुई थी, जिसमें तत्कालीन प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन मोहिंदर सिंह, प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी रवींद्र सिंह, एलडीए उपाध्यक्ष हरभजन सिंह, प्रमुख अभियंता पीडब्ल्यूडी त्रिभुवन राम, निर्माण निगम के एमडी सीपी सिंह, खनन विभाग के संयुक्त निदेशक सुहैल अहमद फारूकी ने नौ जुलाई की बैठक में लिए गए फैसलों को नजरअंदाज करते हुए पट्टाधारकों के कंसोटियम बनाकर उनसे अनुबंध कर आपूर्ति प्राप्त करने और निर्माण स्थल पर ही एज कटिंग, कारविंग, मोल्डिंग की व्यवस्था किए जाने के बजाय मिर्जापुर से राजस्थान तथा राजस्थान से कार्यस्थल लखनऊ में सैंड स्टोन प्रयोग में लाने का निर्णय लिया। इससे निर्माण लागत कई गुना तक बढ़ गई थी।

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
फ़ोन .08750611103

वायु प्रदूषण

एक बार फिर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण रोकने के लिये प्रभावी कदम न उठाने पर पंजाब व हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि सरकारों ने पराली जलाने के दोषियों से नाममात्र का ही जुर्माना वसूला, जिसके चलते इसे जलाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। फलत दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निरंतर प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधीन काम करने वाले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी खरी-खोटी सुनायी है कि उसने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिये उसके निर्देशों को लागू करने का ईमानदार प्रयास नहीं किया। दो सदस्यीय पीठ ने सख्त नाराजगी जतायी कि गत 29 अगस्त को दिल्ली में वायु प्रदूषण पर चर्चा के लिये बुलाई आयोग की बैठक में ग्यारह में से सिर्फ पांच सदस्य ही शामिल हुए। पराली जलाने की घटनाओं पर शिथिलता बरतने पर कोर्ट ने केंद्र सरकार व वायु गुणवत्ता आयोग को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दायर करने को कहा है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिये आगामी 16 अक्तूबर की तारीख तय की है। यह विडंबना ही है कि प्रदूषण के मुद्दे पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो लगातार होती रही है लेकिन पराली व प्रदूषण बढ़ाने वाले अन्य कारकों पर रोक लगाने के लिये कोई ईमानदार प्रयास होते नजर नहीं आते। अदालत ने गत वर्ष भी कहा था कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये सतत निगरानी की जानी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली सरकार, हरियाणा व पंजाब में पराली का मुद्दा राजनीति के रंग में रंगता रहा है। यही वजह है कि बीते साल की तरह ही इसी मौसम में फिर से प्रदूषण की समस्या विकट होती जा रही है। फिर ठंड का मौसम आते ही भौगोलिक कारणों से प्रदूषण विकराल रूप लेने लगता है। दिवाली पर तो पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। निस्संदेह, यह तंत्र की काहिली का ही नतीजा है, जिसके चलते दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी का दर्जा हासिल कर लेती है। दरअसल, प्रदूषण के एक घटक पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि की वजह भी वोटों की राजनीति ही है। सरकारें पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती रही हैं। उन्हें अपने वोट बैंक के खिसकने की चिंता सताती रहती है। हाल ही में वायु गुणवत्ता आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि गत पंद्रह से पच्चीस सितंबर के मध्य पंजाब में पिछले साल इन दिनों के मुकाबले में दस गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। वहीं बीते वर्ष इसी अवधि के मुकाबले इस वर्ष हरियाणा में पांच गुना अधिक पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई। सवाल यह है कि हर साल सितंबर से नवंबर के बीच बढ़ने वाली पराली जलाने की घटनाओं पर अंकुश क्यों नहीं लगाया जा रहा है? बावजूद इसके कि शीर्ष अदालत बार-बार सख्त निगरानी की बात कहती रहती है। लेकिन सरकारों के तमाम दावों के बावजूद किसानों को ऐसा कारगर विकल्प नहीं दिया जा सका है कि किसान को खेत में पराली जलाने की जरूरत न पड़े। दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकारें भी तभी जागती हैं जब राजधानी व उसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण के कारण जीवन पर संकट उत्पन्न होने लगता है। यहां तक कि अदालत के आदेश भी क्रियान्वयन की बाट जोहते रह जाते हैं। जबकि आंकड़े बता रहे हैं कि हर साल देश में लाखों लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत के मुंह में चले जाते हैं या फिर उनके जीवन की प्रत्याशा में कई सालों की कमी हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद दिल्ली व अन्य राज्यों की सरकारें जन स्वास्थ्य के लिये उपजे बड़े संकट के प्रति संवेदनशील रवैया नहीं अपनाती हैं। वैसे राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण में पराली के अलावा तमाम अन्य कारक भी हैं। सड़कों पर उतरती पेट्रोल-डीजल वाहनों की सुनामी, सार्वजनिक यातायात की कमी व उद्योग व निर्माण कार्यों में लापरवाही भी प्रदूषण की बड़ी वजह है। दरअसल, इस संकट से मुक्ति के लिये समग्र दृष्टि से कदम उठाये जाने चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि शिवजी का रुख देखकर सतीजी ने जान लिया कि स्वामी ने मेरा त्याग कर दिया और वे हृदय में व्याकुल हो उठीं। अपना पाप समझकर कुछ कहते नहीं बनता, परन्तु हृदय (भीतर ही भीतर) कुम्हार के आँवे के समान अत्यन्त जलने लगा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सतिहि ससोच जानि बृषकेतू। कहीं कथा सुंदर सुख हेतू॥
बरनत पंथ बिबिध इतिहासा। बिस्वनाथ पहुँचे कैलासा॥

वृषकेतु शिवजी ने सती को चिन्तायुक्त जानकर उन्हें सुख देने के लिए सुंदर कथाएँ कहीं। इस प्रकार मार्ग में विविध प्रकार के इतिहासों को कहते हुए विश्वनाथ कैलास जा पहुँचे॥

तहँ पुनि संभु समुझि पन आपन। बैठे बट तर करि कमलासन॥
संकर सहज सरूपु सम्हारा। लागि समाधि अखंड अपारा॥

वहाँ फिर शिवजी अपनी प्रतिज्ञा को याद करके बड़ के पेड़ के नीचे पद्मासन लगाकर बैठ गए। शिवजी ने अपना स्वाभाविक रूप संभाला। उनकी अखण्ड और अपार समाधि लग गई॥

दो0-सती बसहिं कैलास तब अधिक सोचु मन माहिं।
मरमु न कोऊ जान कछु जुग सम दिवस सिराहिं॥

तब सतीजी कैलास पर रहने लगीं। उनके मन में बड़ा दुःख था। इस रहस्य को कोई कुछ भी नहीं जानता था। उनका एक-एक दिन युग के समान बीत रहा था॥

(क्रमशः..)

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों एवं भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपना सेवा कार्य पूरी प्रामाणिकता से बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से करते रहते हैं। वरना, भारत सहित पूरे विश्व में आज ऐसा माहौल बन गया है कि कुछ संगठन जो समाज में सेवा कार्य करते तो बहुत थोड़ा है परंतु उस कार्य का बहुत अधिक प्रचार प्रसार करते हैं। इसके ठीक विपरीत संघ के स्वयंसेवक चुपचाप समाज में अपने ईश्वरीय कार्य को सम्पादित करते रहते हैं, कई बार तो संघ के पदाधिकारियों को भी इस बात का आभास नहीं हो पाता है कि हमारे संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में कोई विशेष सेवा कार्य सम्पन्न किया है। दरअसल, संघ के स्वयंसेवकों को यह संस्कार संघ की शाखा में प्रदान किए जाते हैं। और, इसी प्रकार की कई अन्य विशेषताओं के चलते, आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन कहा जाने लगा है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है- वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हिंदू शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए।

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं स्व के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुत: यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुन: प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं हैञ्ज यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकरी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।

जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ।

स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है।

पश्चिमी देशों में जीवन के लक्ष्य का सदैव अभाव रहा है। भौतिक सुख-समृद्धि ही जीवन का मानक बन गया था। इसलिए पश्चिमी देश असंवेदनशील हो गए थे। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद जैसी वैचारिकी इस भौतिकवादी पृष्ठभूमि की उपज रही है। भौतिकता की अंधी दौड़ ने अंतत: नाजीवादी, फासीवाद एवं साम्यवाद जैसे विचारों को जन्म देकर पश्चिमी देशों को महायुद्धों की विनाशलीला में झोंक दिया था। स्वामी विवेकानंद जैसे हिंदू चिंतकों द्वारा पश्चिमी देशों में हिंदुत्व के आदर्शों को प्रस्थापित कर उन्हें अंधकार से अलग करने का प्रयास किया गया था। हिंदू आदर्शों का यदि अनुपालन किया जाता तो सम्भवत: मानवीय विनाश के उन दृश्यों को रोका जा सकता था जो विश्व मानव की छाती पर एक भीषण घटित दुर्घटना के चोट के चिन्ह रूप में विद्यमान है। स्वामी विवेकानंद ने जीवन जीने के लक्ष्य एवं मानव संस्कृति के मूल रहस्यों को पश्चिमी समाज के समक्ष उद्घाटित किया था। स्वामी विवेकानंद के प्रयासों से पश्चिमी समाज में हिंदुत्व के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित हुआ था और लोग हिंदू संस्कृति के मूल रहस्यों को जानने के लिए आकर्षित हुए। स्वामी विवेकानंद को हिंदू राष्ट्रीयता का विश्व में प्रथम उद्घोषक कहा जा सकता है। उन्होंने विश्व के समक्ष भारत की मूल्यवान आध्यात्मिक धरोहर को प्रतिष्ठित किया तथा हिंदू धर्म के मूल रहस्यों से विश्व को अवगत कराया। स्वामी रामतीर्थ, महर्षि दयानंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, महात्मा गांधी, डॉक्टर अम्बेडकर, एम एस गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगढ़ी जैसे चिंतकों ने हिंदुओं को चिंतन की एक नयी शैली एवं विधा से सुसज्जित कर हिंदुत्व के पुनरुत्थान का सार्थक प्रयास किया। उक्त हिन्दू चिंतकों ने विश्व समुदाय में हिन्दुत्व के प्रति फैले भ्रम को न केवल दूर करने का प्रयास किया, अपितु हिन्दुस्तान में सनातन संस्कृति के प्रति जो वैषम्यतापूर्ण विचारधाराएं बलवती हो रही थीं उन्हें भी प्रतिबन्धित करने का प्रयास किया। इन विचारकों ने सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए उन समस्त कुरीतियों को दूर करने का आह्वान भी किया।

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासन के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था। हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षों तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुन: प्रतिष्ठित किया जाए। वस्तुत: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आज भी लक्ष्य हिंदुओं को जाति, क्षेत्र और भाषा के कृत्रिम विभाजन के चलते उत्पन्न सामाजिक सांस्कृतिक विरोधभासों से उबारना है। इसकी आकांक्षा है कि भारत को विश्व गुरु का स्थान अपने कर्तृत्व, दर्शन और सांस्कृतिक प्रभाव से पुन: मिले। भारतीय समाज को संघ के इन प्रयासों से अपने आप को जोड़ना चाहिए तभी भारत को पुन: विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया जा सकेगा।

- प्रहलाद सबनानी
सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक,
भारतीय स्टेट बैंक

देश के मुसलमान अब बहकावे में नहीं आते

देश के मुसलमानों को गुमराह करने और भड़काने की कोशिशें अब नाकाम होने लगी हैं। मुसलमानों को शायद समझ आ गया है कि किस तरह राजनीतिक षड्यंत्रों से दूर रह कर अपने विकास पर ध्यान देना है। यही वजह है कि देश के मुसलमानों ने राजनीतिक दलों के नेताओं, मुल्ला-मौलवियों और हिंदुत्व के कट्टर समर्थकों के उकसावे वाले बयानों को गंभीरता से नहीं लिया। मुसलमानों को यह भी समझ में आ गया है कि चंद सिरफिरों की देशविरोधी हरकतों का समर्थन करने से उनकी कौम का नुकसान होगा। यही वजह है कि हाल ही में हिजबुल्ला के कट्टर आतंकवादी और सर्वोच्च रणनीतिकार हसन नसरुल्लाह के खात्मे के बाद देश से व्यापक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इसी तरह हमास और इजराइल युद्ध के दौरान मारे फिलीस्तिनियों को लेकर भी कमोबेश यही रुख कायम रहा। कश्मीर के कुछ इलाकों में सिरफिरों ने हिजबुल्लाह आतंकवादी हसन नसरुल्ला के मरने पर जरूर विरोध प्रदर्शन किया, किंतु देश के बाकी हिस्सों में शांति बनी रही। इसराइल-फिलिस्तीन युद्ध में केंद्र सरकार ने हमास की कड़ी निंदा की। मोदी सरकार इसराइल के साथ खड़ी नजर आई। इसराइल के खिलाफ भारत में बयानबाजी जरूर हुई, किन्तु ब्रिटेन और अमरीका की तरह कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। गौरतलब है कि इन दोनों देशों में इसराइल के खिलाफ जबरदस्त रैलियां निकाली गई, धरने-प्रदर्शन किए गए। अमरीका में काफी बवाल हुआ। अमरीकी विश्वविद्यालय राजनीति का अखाड़ा बन गए।

विश्वविद्यालयों पर पुलिस कार्रवाई की नौबत आ गई। मानवाधिकार और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का पाठ दुनिया को पढ़ाने वाले अमरीका की खूब किरकिरी हुई। कमोबेश यही हाल ब्रिटेन का हुआ। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों से निपटने में ब्रिटिश सरकार के हाथ-पैर फूल गए। यूरोप के कुछ देशों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। इजराइल ने हमास के सर्वोच्च राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया को ईरान के दौरे के दौरान विस्फोट से उड़ा दिया। इस पर कई देशों में व्यापक प्रतिक्रिया हुई, किन्तु भारत में कहीं भी कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। आश्चर्य की बात यह है कि भारत और विश्व के मुस्लिम जगत से जुड़े मुद्दों को लेकर देश के मुसलमानों ने चुनिंदा स्थानों पर प्रतीकात्मक प्रतिक्रिया जताई, किन्तु कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने जमकर उछलकूद मचाई। मुसलमानों ने ऐसे मुद्दों को ज्यादा महत्व नहीं दिया। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35-ए हटाए जाने के बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने मुसलमानों का सच्चा हितैषी साबित करने के लिए जमकर विरोध किया। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नेशनल कान्फ्रेंस से चुनावी गठबंधन किया। शेख अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस ने चुनावी घोषणा में धारा-370 को वापस लाने का ख्याली पुलाव पकाया है। कांग्रेस हिंदू वोटों की नाराजगी के डर से इस पर चुप्पी साधे हुए है। देश के मुसलमानों को यह समझ आ गया है कि जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उनके हितों पर कोई असर डालने वाला नहीं है। यह मुद्दा देश के आम मुसलमानों का नहीं है। यह पाक परस्त आतंकवाद से जुड़ा हुआ मामला है। केंद्र सरकार ने तीन तलाक को खत्म कर दिया। मुस्लिम महिलाओं से जुड़े तीन तलाक के मुद्दे पर भी देश में सिर्फ लखनऊ और पुणे में विरोध प्रदर्शन हुआ। यह प्रदर्शन भी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर हुआ। देश में अन्य हिस्सों में मुसलमानों ने इस पर कोई व्यापक प्रतिक्रिया नहीं जताकर पर्सनल लॉ बोर्ड के इरादों को विफल कर दिया। नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 (सीएए) 11 दिसंबर 2019 को भारत की संसद द्वारा पारित किया गया था। इसने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए प्रताड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए भारतीय नागरिकता प्रदान करके नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन किया। भारत में 2014 तक पात्र अल्पसंख्यकों को हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई बताया गया। सीएए के तहत देश के स्थायी निवासी मुस्लिम समुदाय को छोड़कर तीन मुस्लिम बहुल पड़ोसी मुल्कों से आने वाले बाकी धर्मों के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान है। सीएए के विरोध में मुद्दे पर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने खूब हंगामा किया।

इस कानून के तहत यह साफ जाहिर था कि देश में लंबे अर्से से रहने वाले मुसलमानों को इसके दायरे में शामिल नहीं किया गया है। इसके बावजूद विपक्षी दलों ने इस पर जबरदस्त विवाद पैदा करके मुसलमानों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया। इस मुद्दे पर कई दिनों तक वाद-विवाद हुआ। आखिरकार देश के मुसलमानों को समझ में आ गया कि सीएए से उनका कोई सरोकार नहीं है। यह कानून सिर्फ बाहर से आए अवैध मुसलमानों पर लागू होगा। यही वजह रही कि इस मुद्दे पर विपक्षी दलों का देश के मुसलमानों ने साथ नहीं दिया। विपक्षी दल ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी ने भी मुसलमानों को उकसाने में कसर बाकी नहीं रखी। गैरजरूरी मुद्दों को हवा देकर भाजपा ने राजनीतिक ध्रुवीकरण का प्रयास किया। कुछ महीने पहले भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को मालिकों और कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। उच्चतम न्यायालय ने इस विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी। न्यायालय ने कहा कि प्रावधानों के समर्थन के बिना, यदि निर्देश को लागू करने की अनुमति दी जाती है, तो यह भारत गणराज्य के धर्मनिरपेक्ष चरित्र का उल्लंघन होगा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपराधियों और कानून-व्यवस्था भंग करने वाले आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलवाने के निर्देश दिए थे। इस निर्देश की चपेट में ज्यादातर मुसलमान ही आए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। कोर्ट का कहना है कि सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही एक्शन होगा। कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर राज्यों को निर्देश देते हुए कहा है कि बुलडोजर न्याय का महिमामंडन बंद होना चाहिए।

कानूनी प्रक्रिया के तहत ही अतिक्रमण हटाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि मौके-बेमौके राजनीतिक दलों के निहित स्वार्थों पर सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेरा है। अदालतों के ऐसे आदेशों से देश के मुसलमानों का भरोसा मजबूत हुआ है। **-योगेंद्र योगी**

राशिफल

आश्विन शुक्ल पक्ष : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन आनंदित रहेगा। प्रेम में लिप्त रहेंगे। संबंधों में लिप्त रहेंगे। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
शत्रु स्वयं नतमस्तक होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे रहेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
नव प्रेम का आगमन होगा। बच्चों की स्थिति में सुधार। प्रेम में बहुत अपनापन। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लग्जरीपूर्ण जीवन रहेगा। भूमि, भवन वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पराक्रम रंग लाएगा। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान का साथ।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा। अच्छे भोजन का रसास्वादन करेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
समाज में आपका कद बढ़ेगा। समाज में आप सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से जीवन में वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
खर्च की अधिकता रहेगी लेकिन आभूषण, फैशन व जेवर इत्यादि में खर्चे होंगे। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। यात्रा में लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति दूर-दूर तक पहुंचेंगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
भाग्यवश कुछ काम बनेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा, व्यापार बहुत अच्छा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बचकर पार करें। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं।

समस्याओं को लेकर 10 अक्टूबर को होगा प्रदर्शन, तैयारी में जुटा किसान संगठन

कई गांवो में नुक्कड़ सभाएं कर अनिश्चितकालीन धरना में पहुंचने की अपील

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन मंच ने गांव शहदरा, गढी शाहपुर, इल्हाबास, सलारपुर,सदरपुर में पंचायत कर किसानों से संवाद किया। और 10 अक्टूबर को होने वाले धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की।

भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण सभी किसानों को वर्ष 1997 से 64.7 प्रतिशत मुवावजा ओर 10 प्रतिशत के विकसित भूखंड सभी किसानों को दिया जाये, नोएडा के सभी 81 गांव के किसानों की आबादी को 450 मीटर से एक हजार मीटर करते हुए आबादी का संपूर्ण समाधान करें ,और 1976 से वर्ष 1997 तक के सभी किसानों को कोटा स्कीम के प्लॉट आवंटित करें, गाँवों में नक्शा नीति समाप्त की जाए गांव में यह व्यावहारिक नहीं है।

राष्ट्रीय सचिव सोनू लोहिया ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण अधिकारी किसानों के काम नहीं कर रहे हैं जो किसानों के मुद्दे पास होकर बोर्ड मीटिंग से सरकार के पास लखनऊ गए है वह पास हो कर नहीं आए हैं दिनांक 21 फरवरी 2024 को शासन द्वारा नोएडा, ग्रेटर नोएडा के सभी किसानों की समस्याओं के निस्तारण के लिए बनायी गयी, तीन सदस्य हाई पावर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने 21 फरवरी 2024 को किसानो की समस्याओं के निस्तारण के लिए बनाई गई तीन सदस्य हाई पावर कमेटी के निर्णय को लागू नहीं किया गया है, किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। इस अवसर पर विनोद प्रधान, सुरेन्द्र प्रधान, गौतम लोहिया, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान, आशीष चौहान, उमंग शर्मा, रिंकू यादव, विमल त्यागी, सोनू लोहिया,जगबीर भाटी, राजू चौहान, ए के बैसोया, विनोद शर्मा, हरीश, मोनू चौहान आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

कैप्टन शशिकांत की याद में क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

नोएडा। कैप्टन शशिकांत शर्मा की याद में नोएड़ा स्टेडियम सेक्टर-21ए के क्रिकेट मैदान पर शनिवार को मानव सेवा समिति, नोएड़ा स्पोर्ट्स ट्रस्ट एवं डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने 24 वें कैप्टेन शशिकांत मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह आयाजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अमित खेमका ने की। उन्होंने कहा कि चौबीस वर्षों से इस क्रिकेट टूर्नामेंट के माध्यम से कैप्टेन शशिकांत को याद करने से लगता ही, नहीं कि कैप्टेन शशिकांत शर्मा हमारे बीच नहीं है, प्रतियोगिता में भाग ले रहा हर खिलाड़ी कैप्टेन शशिकांत के जैसा है।

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने कहा कि आने वाले वर्ष में टूनामेंट के 25 वर्ष पूरे होने पर इस प्रतियोगिता को सिल्वर जुबली के तौर पर मनाएँगे, जिसमें विभिन्न जिलों की टीमों को आमंत्रित किया जाएगा।

इस दौरान कैप्टेन शशिकांत के माता श्रीमती सुदेश शर्मा, पिता फ्ला. लेफ्ट. जेपी शर्मा, भाई डॉ नरेश शर्मा, डॉ संगीता शर्मा, सुरेश प्रधान, मानव सेवा समिति के यूके भारद्वाज, सुभाष शर्मा, आजाद सिंह, अतुल गौड़, भूपेन्द्र शर्मा, आरके शर्मा, असीम बरुआ, विक्रांत शर्मा, धर्मेंद्र पचौरी, संदीप शर्मा, दिनेश शर्मा, सुरेखा गौड़, शिवा भारद्वाज, संसृति, पारुल, वी के महेश्वरी, राहुल, शुभम् भारद्वाज, अमन भारद्वाज, एड. आयुष मंगल, करन शर्मा, कार्यक्रम का मंच संचालन जाने माने कवि विनोद पांडे द्वारा किया गया। शनिवार को हुए एकमात्र उद्घाटन मैच में पायनियर क्रिकेट क्लब ने डिवाईन दिल्ली क्रिकेट क्लब को पाँच विकेट से हराकर प्रतियोगिता के पहली विजय हाँसिल की।

नव युवा समिति ने किया विशाल भगवती जागरण

नोएडा (चेतना मंच)। नव युवा जागरण समिति द्वारा सेक्टर-22 में 32वां विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन किया गया। एच ब्लॉक के अध्यक्ष प्रदीप वोहरा के अनुसार नवरात्रों में किए जाने वाले इस भगवती जागरण में पूरा सेक्टर-22 पूरे उत्साह के साथ प्रतिभागिता करता है और पूरी रात मां का गुणगान करने के लिए एच ब्लॉक मार्केट के ग्राउंड में सभी एकत्रित होते हैं प्रदीप वोहरा अध्यक्ष नव युवा समिति के अनुसार इस कार्यक्रम का समापन 11 अक्टूबर नवमी पर विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा।

ओवरलोड वाहनों से क्षतिग्रस्त हुआ पुल

संचाई विभाग के अधिकारी पुल का किया निरीक्षण

धौलाना। एनटीपीसी दादरी प्लांट से ओवरलोड गाड़ियों की आवागमन से मार्ट ब्रांच नहर का पुल क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर पहुंचे सिंचाई विभाग के अधिकारी पुल का निरीक्षण किया।

बता दें कि एनटीपीसी दादरी प्लांट से प्रतिदिन सैकड़ो गाड़ियां ओवरलोड वाहन राख भरकर निकलते हैं जिसके कारण खटाना माइनर हसनपुर नाला ऊंचेगांव रजवाहा ढीकरी रजवाहा आदि गांव में छोटे-मोटे पुल बने हैं वह सब ओवरलोड की वजह से टूट कर दोबारा बने हैं।

ओवरलोड के कारण पिछले दिनों खटाना माइनर की नरौली के पास पुलिया टुट गई थी जिसको नए सिरे से बनाया गया था इस मार्ट ब्रांच पर रसूलपुर पावली बिसाडा होते हुए दादरी के लिए जो मार्ग बना है उसे पर जो पुल बना हुआ है। ओवरलोड ट्रैकों की वजह से वह पुल क्षतिग्रस्त हो गया, इसकी शिकायत रसूलपुर निवासी पुष्पेंद्र ने अधिकारियों से की। पुल पर कोई भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है उसी के चलते आज मौके पर विभाग के जेई देवेंद्र जिलेदार मौके पर आए और पुल का मुआयना किया।

अधिकारियों ने बताया कि पुल पर ओवरलोड वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए बैरिकेड और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएंगे उसके बाद उच्च अधिकारियों को अवगत कराकर पुल का निर्माण कार्य कराया जाएगा। जेई देवेंद्र सिंह ने बताया कि एनटीपीसी से निकलने वाली राख के ओवरलोड गाड़ियों की वजह से यह पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

ट्रेन के सामने कूदकर युवक ने दी जान

दादरी। बिसरख क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर कूद कर अज्ञात युवक ने दी जान, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चौकी प्रभारी रोहित ने बताया है कि ट्रेन चालक के द्वारा सूचना दी गई थी ट्रेन संख्या 12225 के एक अज्ञात व्यक्ति ने पिलर नंबर 1427 के खम्मा नंबर 11/13 के मध्य ट्रेन से टकरा गया है जिसकी सूचना स्टेशन मास्टर द्वारा उपनिरीक्षक को दी गई कि मैं उपनिरीक्षक मौके पर आया हूं शव की शिनाख्त के संबंध में तलाशी ली गई लेकिन कोई पहचान नहीं हुई।

रालोद अध्यक्ष ने अजय हुड्डा को दी जन्मदिन की बधाई

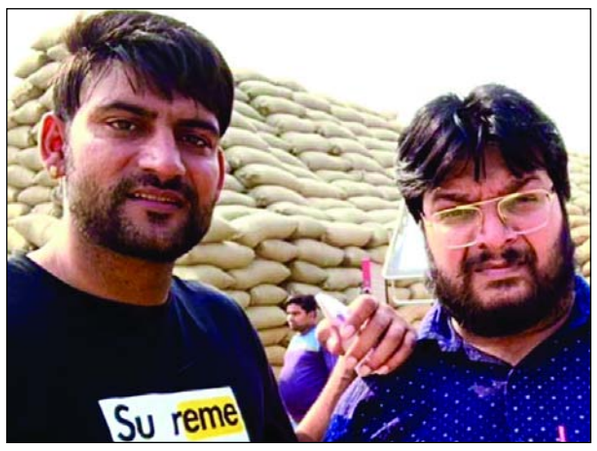

नॉएडा (चेतना मंच)। राष्ट्रीय लोकदल नोएडा विधानसभा के अध्यक्ष बी0 एल0 अग्रवाल ने हरियाणवी कलाकार अजय हुड्डा को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा की हरियाणा के जाने माने कलाकार अजय हुड्डा को आज देश का बच्चा बच्चा जानता है। हरियाणवी संस्कृति एवं लोकगीतों को लोकप्रिय करने में अजय हुड्डा का बहुत बड़ा योगदान रहा है। लगभग एक दशक से यह कलाकार सब के दिलों पर राज करता आ रहा है। देश के युवा और किसानों में इस कलाकार का ज़बरदस्त क्रेज है। किसान आंदोलन में भी अपने क्रांतिकारी गीतों के माध्यम से इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह कलाकार हमेशा अपनी मिट्टी और किसान से जुड़ा रहा है। इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए पूरी टीम की तरफ़ से इनको जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

वरिंदरा कंस्ट्रक्शन्स लि. ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई एजेंसी। वरिंदरा कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड (कंपनी, वीसीएल) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। वरिंदरा कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी है, जिसके पास आवासीय इकाइयों, वाणिज्यिक परिसर, कार्यालय, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, उच्च न्यायालय और पुस्तकालय सहित अनेक भवन परियोजनाओं के निर्माण का व्यापक अनुभव है। साथ ही कंपनी के पास मेट्रो डिपो, विमान हैंगर और सड़कों जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण का भी लंबा अनुभव है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के जरिये इक्विटी शेयरों (अंकित मूल्य 1 प्रत्येक) की पेशकश के माध्यम से कुल 12000 मिलियन [1200 करोड़] तक धन जुटाने की योजना बनाई है। इस ऑफर में कुल 9000 मिलियन [900 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (फ्रेश इश्यू) और कुल 3000 मिलियन [300 करोड़] तक के विक्रय शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल (बिक्री के लिए प्रस्ताव) शामिल हैं।

'दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024' में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

मुंबई एजेंसी। दी सीएसआर जर्नल द्वारा आयोजित दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024, 30 सितंबर को मुंबई में संपन्न हुआ। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी यानी सीएसआर जगत में देश का सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड सेरेमनी है, जो मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2024 में मुख्य अतिथि के तौर पर लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला, महिला व बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे, सांस्कृतिक कार्य, वन एवं मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, राज्यसभा सांसद और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी. टी. उषा, सांसद एवं महाराष्ट्र एनसीपी अध्यक्ष सुनील तटकरे, सांसद रवींद्र वायकर, पूर्व सांसद राहुल शेवाले, पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी जैसे कई दिग्गज उपस्थित रहे। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अवार्ड्स का थीम इंडिया फर्स्ट था, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। दी सीएसआर जर्नल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के इस प्रतिष्ठित आयोजन में 600 से अधिक अतिथि शामिल हुए, जिनमें देश के कोने कोने से ब्यूरोक्रेट, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा नेता, कलाकार, देश के तमाम कॉरपोरेट हाउसेस के प्रतिनिधि और देश का भविष्य कहे जाने वाले मेधावी छात्र शामिल थे।

टाइटन रागा के अनोखे मेमोयर्स कलेक्शन के साथ पुरानी यादों को फिर से ताज़ा करें

मुंबई एजेंसी। समकालीन महिलाओं के लिए डिज़ाइन की गई बेहतरीन घड़ियों के लिए मशहूर ब्रांड, टाइटन रागा ने इस त्यौहारी सीज़न के लिए प्रस्तुत किया है अपना नया कलेक्शन मेमोयर्स। पुरानी यादों का जादू बिखेरते हुए मेमोयर्स बहुत ही खूबसूरत घड़ियों में बचपन के खोए हुए पलों को जीवंत करता है। इसमें पाँच अलग-अलग डिज़ाइन प्रेरणाएं हैं, हर घड़ी में अनोखे आकार, नाजुक पैटर्न और पेस्टल रंग बीते हुए रंगीन दौर की याद दिलाते हैं, मानो आधुनिक फैशन रनवे पर यादों का बॉक्स खुला हो। टाइटन वॉचेस की मार्केटिंग हेड सुश्री अपर्णा रवि ने कलेक्शन के लॉन्च पर कहा, त्यौहारों के सीज़न में अनूठे कलेक्शन को पेश करने की अपनी परंपरा को जारी रखते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। रागा मेमोयर्स एक ऐसा कलेक्शन है जो फैशन-फ़ॉरवर्ड स्टेटमेंट में भावनाओं को शामिल करता है। हमारा मानना है कि यह सिर्फ़ घड़ी पहनना नहीं है; आप इसे पहनकर जहाँ भी जाते हाँ, अपनी कहानी का एक हिस्सा साथ लेकर जाते हैं। यह कलेक्शन हमारी प्रतिबद्धता का एक हिस्सा है

5 हिस्सों में बंट जाएगा डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कंपनी डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज के शेयरों का बंटवारा हो रहा है। कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा हो रहा है। इसके लिए कंपनी अब रिकॉर्ड डेट का ऐलान कर दिया है। स्टॉक स्प्लिट के लिए तय रिकॉर्ड डेट इसी महीने में है। बता दें, शुक्रवार को कंपनी के शेयर बीएसई में 1.47 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 6635.50 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बंटवारा किया जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 5 रुपये से घटकर 1 रुपये हो जाएगी। शुक्रवार को कंपनी ने कहा है कि 28 अक्टूबर 2024, दिन सोमवार को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों को 5 हिस्सों में बंट जाएगा।

डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज जुलाई के महीने में एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 40 रुपये का डिविडेंड दिया था। वहीं, 2023 में भी कंपनी ने एक शेयर पर 40 रुपये

का डिविडेंड दिया था। बीते एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 22 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में स्टॉक का भाव महज 8 प्रतिशत ही बढ़ा है। हालांकि, पिछले एक महीने में डॉ रेड्डी लेबोरेटरीज के शेयरों में 2.3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 7101 रुपये और 52 वीक लो लेवल 5212.10 रुपये है।

संकट में सरकारी टेलीकॉम कंपनी, अब एसबीआई ने लिया बड़ा एक्शन, क्रैश हुआ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक ने कर्ज में डूबी सरकारी कंपनी एमटीएनएल के ऋण खातों को 30 जून से किस्तों और ब्याज का भुगतान न करने के कारण कमतर मानक वाला गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया है। सरकारी टेलीकॉम कंपनी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। एसबीआई ने एक अक्टूबर को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा था कि 30 सितंबर तक एमटीएनएल ऋण खाते पर कुल बकाया 325.52 करोड़ रुपये था। एमटीएनएल ने कहा- एसबीआई ने एक अक्टूबर, 2024 के अपने पत्र के जरिए बताया कि एमटीएनएल के टर्म लोन अकाउंट नंबर 36726658903 को ब्याज और किस्त का भुगतान न करने के कारण 28 सितंबर, 2024 से एनपीए - कमतर मानक श्रेणी में डाल दिया गया है।

पी एंड जी इंडिया और एनजीओ एजुकेशनल इनिशिएटिव्स ने मंडीदीप के दो सरकारी स्कूलों को इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट दान किए

मंडीदीप , एजेंसी। पी एंड जी इंडिया और एनजीओ एजुकेशनल इनिशिएटिव्स ने अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम - पी एंड जी शिक्षा के हिस्से के रूप में बच्चों को आधुनिक तकनीक के साथ बेहतर सीखने में सक्षम बनाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में मंडीदीप के दो सरकारी स्कूलों को इलेक्ट्रॉनिक टैबलेट दान किए। टैबलेट बच्चों को वैचारिक समझ के साथ सीखने और पी एंड जी शिक्षा और शैक्षिक पहल द्वारा स्कूलों में कार्यान्वित माइंडस्पार्क कार्यक्रम के माध्यम से उनके सीखने के परिणामों में सुधार करने में सक्षम बनाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित उपकरण छात्रों का मूल्यांकन करता है और सीखने की कमियों को दूर करने के लिए व्यक्तिगत शिक्षण पथ बनाता है। यह उपकरण सीखने को सरल बनाता है और प्रत्येक बच्चे के साथ सूक्ष्म स्तर पर काम करता है ताकि उन्हें वैचारिक स्पष्टता प्राप्त करने में मदद मिल सके, साथ ही यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें अपने सीखने के स्तर के आधार पर प्रगति करने के लिए पुरस्कृत किया जाए।

आईएमडीबी ने सर्वकालिक शीर्ष 250 भारतीय फिल्मों का जश्न मनाया

मुंबई एजेंसी। आईएमडीबी , फिल्मों, टीवी शो और मशहूर हस्तियों के बारे में जानकारी के लिए दुनिया का सबसे लोकप्रिय और आधिकारिक स्रोत, अक्टूबर 2022 में लॉन्च किए गए अपने भारतीय इंस्टाग्राम हैंडल पर 250,000 फॉलोअर्स तक पहुंच गया है। मनोरंजन प्रशंसक देश भर में कौन और क्या ट्रेंड कर रहा है, यह जानने, नई सामग्री खोजने और क्या और कहां देखना है, यह तय करने के लिए आईएमडीबी इंडिया सोशल मीडिया हैंडल पर भरोसा करते हैं। इस मील के पत्थर का जश्न मनाने के लिए, आईएमडीबी ने सभी समय की शीर्ष 250 उच्चतम रेटेड भारतीय फिल्मों का एक सीमित संस्करण संग्रहणीय पोस्टर डिजाइन किया है, जिसे चुनिंदा मनोरंजन उद्योग के नेताओं को उपहार के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, आईएमडीबी इंडिया इंस्टाग्राम पर एक प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिससे चुनिंदा प्रशंसकों को इस प्रतिष्ठित पोस्टर को जीतने का मौका मिलेगा।

एक्सिस बैंक ने 'दिल से ओपन सेलिब्रेशन' की घोषणा की

इस फेस्टिव सीजन में आकर्षक डील और छूट की पेशकश

मुंबई एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज 'दिल से ओपन सेलिब्रेशन' की शुरुआत की घोषणा की। इसके तहत, बैंक कार्ड के जरिये ई-कॉमर्स, लाइफस्टाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रैवल, डाइनिंग और किराने के सामान पर रोमांचक डील और छूट की पेशकश की गई हिया। इन ऑफर्स के अलावा, बैंक के ग्रैब डील्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से 50 से अधिक पसंदीदा ब्रांड और शीर्ष भारतीय ई-कॉमर्स प्लेयर्स पर अतिरिक्त कैशबैक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

ग्राहक शॉपिंग (अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट, मैक्स फैशन, मिंत्रा, टीरा, वेरो मोडा), इलेक्ट्रॉनिक्स (आईएफबी, मोटोरोला, रिलायंस डिजिटल, सैमसंग, श्याओमी), लग्जरी लाइफस्टाइल (कोच, ह्यूगो बॉस, माइकल कोर्स, टुमी), डाइनिंग और ग्रॉसरी (ब्लिंकिट, ईज़ीडाइनर, स्विगी) और कई अन्य सेगमेंट के लिए प्रमुख ब्रांडों पर 25त्न तक की छूट का आनंद ले सकते हैं। जो ग्राहक दूसरे शहरों में अपने प्रियजनों से मिलना चाहते हैं या अपनी आगामी छुट्टियों की योजना बना रहे हैं, वे क्लियरट्रिप, कैथे पैसिफ़िक, मेकमायट्रिप, पेटीएम फ़्लाइट्स और यात्रा जैसे ट्रैवल पार्टनर्स के माध्यम से तुरंत बचत का लाभ उठा सकते हैं। भुगतान में आसानी और लचीलेपन के लिए, ग्राहक आकर्षक ईएमआई योजनाओं का उपयोग करके इनमें से कुछ ऑफ़र का लाभ भी उठा सकते हैं।

एक्सिस बैंक के कार्डधारक फ्लिपकार्ट पर की गई सभी खरीदारी पर अतिरिक्त 5त्न कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर बैंक के ग्रैब डील्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 6 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा, जिस पर ग्राहक 3,000 रुपये तक का कैशबैक पा सकते हैं। दशहरा के करीब इस ऑफर को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी 500 वैल्यू 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया

मुंबई एजेंसी। एक्सिस म्यूचुअल फंड, भारत में सबसे तेजी से बढ़ते और प्रमुख फंड हाउस में से एक, अपने नए फंड ऑफर - एक्सिस निफ्टी 500 वैल्यू 50 इंडेक्स फंड के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुश है। इस ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड का लक्ष्य निफ्टी 500 वैल्यू 50 टोटल रिटर्न इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराना है। नया फंड ऑफर 04 अक्टूबर, 2024 को खुलेगा और 18 अक्टूबर, 2024 को बंद होगा। इस फंड का प्रबंधन श्री कार्तिक कुमार और श्री हितेश दास द्वारा किया जाएगा। फैक्टर इन्वेस्टिंग एक रणनीतिक दृष्टिकोण है जो बाजार रिटर्न के अंतर्निहित चालकों को भुनाने का प्रयास करता है। गुणवत्ता, मूल्य, आकार, गति और कम अस्थिरता जैसी विशिष्ट विशेषताओं की पहचान करके और व्यवस्थित रूप से निवेशक ऐसे पोर्टफोलियो बना सकते हैं जो उनके निवेश उद्देश्यों के अनुकूल हो। फैक्टर इन्वेस्टिंग के पास विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों, परिसंपत्ति वर्गों और आर्थिक चक्रों में बाजार से बेहतर प्रदर्शन करने का एक साबित ट्रैक रिकॉर्ड है। अनुशासित फैक्टर कार्यान्वयन के माध्यम से, निवेशक पोर्टफोलियो विविधीकरण को बढ़ा सकते हैं, जोखिम को कम कर सकते हैं, और संभावित रूप से बेहतर दीर्घकालिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहा, जब फैक्टर निवेश की बात आती है तो भारत अभी भी एक प्रारंभिक चरण में है, इस विषय को हाल ही में निवेशकों के बीच स्वीकृति मिली है।

किया ने ईवी9 और कार्निवल लेमोज़िन के लॉन्च के साथ पेश किया केआईएन 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किया ने एक बार फिर अपनी 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के साथ भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नए अंदाज में पेश करने के लिए दूरदर्शी नजरिया अपनाया है। किया 2.0 कंपनी के वाहनों में डिजाइन और टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने पर फोकस किया गया है, जो भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नये बदलाव की शुरुआत करता है। कंपनी ने एकदम नई तकनीकों के साथ इस बदलाव को शुरू करने के लिए भारत में ईवी9 और कार्निवल लेमोज़िन को लॉन्च किया है। इस तरह, कंपनी ने इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाली अपनी छवि को और निखारा है।

किया 2.0 में महत्वपूर्ण इनोवेशन किए गए हैं, जिसमें किया कनेक्ट 2.0 और एडवांस्ड व्हीकल टू एवीथिंग (वी2एक्स) तकनीक शामिल है। किया कनेक्ट 2.0 का मतलब है कि किया का अपडेटेड कनेक्टेड कार प्लैटफ़ॉर्म कई नए इनोवेशन के दरवाज़े खोलता है। नया प्लैटफ़ॉर्म न केवल मैप के लिए बल्कि वाहन डायग्नोस्टिक के लिए भी कंट्रोलर ओटीए (ओवर द एयर) अपडेट सुविधा देता है। किया कनेक्ट 2.0 के तहत दिया गया ओटीए, किया को 44 और 27 कंट्रोलर मॉड्यूल के साथ रिमोट पर लेकर नए लॉन्च किए गए ईवी9 और कार्निवल लेमोज़िन में गड़बड़ी का पहचान और सॉफ्टवेयर अपडेट करने की सहूलियत देता है।

सीग्राम रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने क्रिकेट आइकन सूर्य कुमार यादव के साथ उत्सव अभियान सेलिब्रेटलर्ज लॉन्च किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में उत्सव के जोश को शुरू करते हुए, रॉयल स्टैग पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर ने नया अभियान सेलिब्रेटलर्ज पेश किया है। यह अभियान दिखाता है कि आज की युवा पीढ़ी विभिन्न उत्सवों को अपनी अनूठी शैली और ऊर्जा से कैसे संजो कर रखना चाहती है। अभियान का टैगलाइन - जनरेशन लार्ज का सेलिब्रेशन लार्ज इस युवा पीढ़ी की इच्छा को ब्रांड की 'लिव इट लार्ज' फिलॉसफी के साथ बखूबी जोड़ता है। इस अभियान की विशेषता भारत के टी20 क्रिकेट कप्तान सूर्यकुमार यादव है और यह एक एंगेजमेंट-केन्द्रित 360 डिग्री का अभियान है, जिसमें एक इंटरैक्टिव एआई फिल्म, एक अभिनव एआर -सक्षम उत्सवी कैनवास और भारतीय क्रिकेट सुपरस्टार सूर्यकुमार यादव के साथ मनाने का अवसर शामिल है। एफसीबी इंडिया के साथ साझेदारी में तैयार किए गए इस अभियान का हर टचपॉइंट युवाओं को लिव इट लार्ज की प्रेरणा देने और उनके उत्सव को एक नए स्तर पर ले जाने का

लक्ष्य रखता है। अभियान की फिल्म विभिन्न क्षेत्रों में सभी प्रमुख उत्सवों को खूबसूरती से दर्शाती है और दर्शकों को सूर्यकुमार यादव के साथ सेलिब्रेटलर्ज करने के लिए आमंत्रित करती है। पुरे अनुभव को आज के युवाओं, यानी डिजिटल नेटिव्स, को ध्यान में रखते हुए क्यूरेट किया गया है, ताकि उन्हें एक सरल यूजर जर्नी प्रदान की जा सके। रीजनरेटिव एआई की शक्ति का उपयोग एसकेवाई के साथ एक अद्वितीय व्यक्तिगत उत्सव अनुभव बनाने के लिए किया गया है। क्रिकेटर से एआई -निर्मित व्यक्तिगत शुभकामनाएं भी समग्र उपभोक्ता अनुभव में एक रोमांचक तत्व जोड़ती हैं।

'हंगामा' ने अपने नए सस्पेंस-थ्रिलर 'रेड रूम' को लॉन्च किया

मुंबई एजेंसी। भारत के सबसे बेहतरीन एंटरटेनमेंट प्लैटफ़ॉर्म में शुमार 'हंगामा'ने अपने नए सस्पेंस-थ्रिलर 'रेड रूम' को लॉन्च किया। इस शो के जरिए बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री डेज़ी शाह अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। इस बेहद दिलचस्प सीरीज में उनके साथ अमित गौर, अनुज सचदेव, रीना अग्रवाल और रीवा चौधरी भी दिखाई देंगे। इस सीरीज के में हैरतअंगेज रहस्य, मनोवैज्ञानिक उलझन और भावनात्मक नाटकीयता से दर्शकों का सामना होगा। हर नए मोड़ और नई घटना के सामने आने के साथ ही इस सीरीज में दर्शकों की दिलचस्पी हर एपिसोड के साथ बढ़ती जाएगी। 'रेड रूम' की रहस्य भरी और दिलचस्प कहानी टिया के इर्द-गिर्द घूमती है और इस किरदार को डेज़ी शाह ने निभाया है। टिया की नजर एक ऐसे नाइटक्लब पर पड़ती है जो अपने यहां आने वाले मेहमानों को हर तरह से खुश करने की कोशिश में रहता है। लेकिन यहां रंगरलियों से गुलजार होने वाली शाम धोखे और विश्वासघात के एक खेल में बदल जाती है।टिया खुद को एक ऐसी खतरनाक और अनचाही स्थिति में पाती है कि जहां कि हर कोई झूठ बोल रहा है और वह किसी पर भी भरोसा नहीं कर सकती है। इस सीरीज के हर एपिसोड के साथ एक नए राज़ पर से पर्दा उठेगा और हर एपिसोड से होते हुए दर्शक एक चौंकाने वाले अंत तक पहुंचेंगेऔर इस यात्रा में वे पूरे समय इस सीरीज का लुत्फ़ लेंगे और इसके साथ बने रहना चाहेंगे। हंगामा डिजिटल मीडिया के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर संजीव लांबा ने कहा, रेड रूम, ओरिजनल कॉन्टेन्ट को मौजूदा समय के साथ जोड़े रखने और अलग-अलग तरह का कॉन्टेन्ट देने के हमारे लक्ष्य के साथ मेल खाने वाली सीरीज है।

ओला इलेक्ट्रिक की बॉस बिगेस्ट ओला सीज़न सेल शुरू

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज त्योहारों के लिए अपना सबसे बड़ा ओला सीज़न सेल, बॉस शुरू किया। इस अभियान के अंतर्गत एस1 पोर्टफोलियो 49,999 रुपये की न्यूनतम राशि में उपलब्ध हो रहा है। साथ ही, कंपनी ने 37,000 रुपये तक के फेस्टिव बेनेफिट्स की घोषणा भी की है, जिनमें हाईपरचार्जिंग क्रेडिट्स, मूवओएस. अपग्रेड, एक्सेसरीज़ पर एक्सक्लुसिव डील और केयर.के साथ कई आकर्षक ऑफर शामिल हैं।

इस अभियान के बारे में भाविश अग्रवाल, चेयरमैन एवं एमडी, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा हम इन त्योहारों पर सभी ऑफरों के साथ बॉस शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। यह ईवी खरीदने का सबसे अच्छा समय है। बॉस हमारी अब तक की सबसे बड़ी फेस्टिव पेशकश है, जिसके साथ हम अपना एंडआइसऐज मिशन आगे बढ़ा रहे हैं और देश में ईवी का विस्तार कर रहे हैं। सबसे बड़े डिस्काउंट, सबसे अच्छी डील्स और आकर्षक फाईनेंसिंग ऑफरों के साथ यह महंगे पेट्रोल वाहनों को पीछे छोड़ते हुए ईवी के विस्तार के लिए सबसे अच्छा समय है। कंपनी आज से अपने बॉस अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित बेनेफिट्स प्रदान करेगी। बॉस के दौरान

मूल्यः ओला एस1 एक्स 2 किलोवॉट घंटा का मूल्य 49,999 रुपये से शुरू (सीमित स्टॉक के लिए), बॉस के दौरान डिस्काउंटः एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रुपये तक का डिस्काउंट-एस1एक्स 2 किलोवॉटघंटा पर 25,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट, एस1 पोर्टफोलियो पर 12,000 रुपये तक के डिस्काउंट। बॉस के दौरान वॉरंटीः 7,000 रुपये मूल्य की 8 साल/80,000 किलोमीटर की बैटरी वॉरंटी निशुल्क। बॉस के दौरान फाईनेंस ऑफरः चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 5,000 रुपये तक के फाईनेंस ऑफर। बॉस के दौरान बेनेफिट्सः 6,000 रुपये मूल्य का मूवओएस.अपग्रेड निशुल्क; 7,000 रुपये मूल्य के हाईपरचार्जिंग क्रेडिट निशुल्क।

पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक ने अपने नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य भारत में इसके सेल्स और सर्विस नेटवर्क का विस्तार करना है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत ओला इलेक्ट्रिक की योजना 2025 के अंत तक अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 10,000 तक ले जाना है। इसके साथ ही, ओला इलेक्ट्रिक द्वारा 1 लाख थर्ड पार्टी मैकेनिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि भारत में हर मैकेनिक ईवी को समझता हो।

'जिंदगामीनामा' का ट्रेलर हुआ रिलीज़

मुंबई एजेंसी। आज की दुनिया में कुछ लड़ाइयाँ चुपचाप लड़ी जाती हैं और अक्सर उनके बारे में कम लोगों को पता चल पाता है। हमारे आंतरिक संघर्ष बार-बार नजरअंदाज होते रहते हैं। लेकिन हम पर उनका गहरा असर होता है, जिसे हम हमेशा जता नहीं सकते। सोनी लिव की आगामी सीरीज 'ज़िन्दगीनामा' में कई चुनौतियों से जूझ रही एक जिन्दगी के सफर को 6 अनोखी कहानियों से दिखाया गया है। यह कहानियाँ हैं भंवर, स्वागतम, वन+वन, केज्ड, पपेट शो और पर्पल दुनिया। कहानियों का यह संकलन मानसिक रोग से पीड़ित लोगों के भावनात्मक पहलू को उजागर करता है। हर कहानी आपके दिल को छू जाती है और दिखाती है कि इन संघर्षों का सामना करने और इन पर जीत हासिल करने के लिये कितनी हिम्मत चाहिये। इस सीरीज में कई प्रतिभाशाली कलाकारों ने अभिनया किया है जिनमें श्वेता बसु प्रसाद, प्रिया बापट, प्राजक्ता कोली, यशस्विनी दायमा, लिलेट दुबे, श्रेयस तलपडे, अंजली पाटिल, सुमीत व्यास, इवांका दास, मोहम्मद समाद, शिवानी रघुवंशी, सायनदीप सेनगुप्ता, तन्मय धनानिया और श्रुति सेठ शामिल हैं। इसका निर्देशन आदित्य सरपोतदार, सुकृति त्यागी, मिताक्षरा कुमार, डैनी मामिक, राखी सांदिल्य और साहान ने किया है।

थिंक गैस ने शिवपुरी में सभी 20 स्कूलों में आर्टिस्ट्स फॉर ग्रीन प्लैनेट पहल की

शिवपुरी, एजेंसी। थिंक गैस ने शिवपुरी में एक अंतर-विद्यालयी पेंटिंग प्रतियोगिता 'आर्टिस्ट्स फॉर ग्रीन प्लैनेट' पहल का नया संस्करण आज शुरू किया। इस वर्ष रचनात्मक अभिव्यक्ति के जरिए पर्यावरण संरक्षण के महत्व को लेकर युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में सभी 20 स्कूलों में यह पहल होगी।

पिछले वर्ष भोपाल में इस आयोजन की सफलता के क्रम में थिंक गैस एक अधिक टिकाऊ धरती की दिशा में कदम उठाने के लिए भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने को प्रतिबद्ध है। 'आर्टिस्ट्स फॉर ग्रीन प्लैनेट' पहल के तहत विद्यार्थियों को अपनी कलात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस प्रतियोगिता की ÷थीम खुल के सांस लो÷ विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन, वायु गुणवत्ता, अपशिष्ट प्रबंधन और अक्षय ऊर्जा जैसे

पर्यावरणीय मुद्दों पर जबरदस्त और सार्थक पेंटिंग्स के जरिए अपने विचारों को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। विशेषज्ञों की जूरी इन प्रविष्टियों का आकलन करेगी और प्रत्येक स्कूल से शीर्ष पेंटिंग्स को चुनेगी जिन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा थिंक गैस की वरिष्ठ लीडरशिप टीम द्वारा किया जाएगा।

थिंक गैस पूरे भारत में स्वच्छ, हरित ऊर्जा समाधान को प्रोत्साहित करने के अपने मिशन में लगी है और 'आर्टिस्ट्स फॉर ग्रीन प्लैनेट' टिकाऊपन और समुदाय को शामिल करने की इसकी व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस कंपनी का लक्ष्य उन समुदायों के लिए जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित कर दीर्घकालीन मूल्य का सृजन करना है जिनके बीच यह सेवाएं देती है।

वर्ष 2018 में स्थापित थिंक गैस के पास भारत में पंजाब, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में 13 जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क के परिचालन का लाइसेंस है। कंपनी इस तरह से 47,000 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र कवर कर रही है और 1.7 करोड़ से अधिक आबादी को सेवाएं देर ही हैं।

विवादास्पद रन आउट से भारत की लय गड़बड़ाई, सोफी डिवाइन का बड़ा बयान

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन को लगता है कि महिला टी20 विश्व कप में अमेलिया केर से जुड़े रन आउट के विवादास्पद फैसले के कारण भारतीय टीम की लय थोड़ा गड़बड़ा गई थी। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच में 58 रन से हार गई थी। वह इस दौरान रन आउट से जुड़े विवाद में भी फंस गई थी। डिवाइन ने मैच के बाद कहा, 'यह वास्तव में दिलचस्प मामला था जिससे मुझे लगता है कि भारत की लय थोड़ा गड़बड़ा गई थी। मुझे लगता है कि यह क्रिकेट का हिस्सा है लेकिन लोगों का नजरिया हमेशा थोड़ा अलग होता है।% यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के 14वें ओवर में घटी जब डिवाइन के साथ दूसरा रन लेने के प्रयास में केर को भारतीय विकेटकीपर ऋचा घोष ने रन आउट कर दिया था। केर ने मैदान से बाहर जाना शुरू कर दिया था, लेकिन अंपायर अन्ना हैरिस और जैकलीन विलियम्स ने गेंद को 'डेड% घोषित कर दिया क्योंकि भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा ने पहले ही अंपायर से अपनी टोपी ले ली थी जो ओवर के समाप्त होने का संकेत था।

अंपायरों ने केर को वापस भुला दिया लेकिन उनके इस फैसले से भारत को निराशा हुई। इस बीच भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार को चौथे अंपायर के साथ तीखी बहस करते देखा गया। डिवाइन ने कहा, 'यह अंपायरों के विवेक पर निर्भर करता है कि वह कब ओवर को समाप्त मानते हैं लेकिन हमें उन पर भरोसा रखना होगा। आखिर में उन्होंने जो भी फैसला दिया यह उनका काम है। इससे वास्तव में मेरा कोई लेना देना नहीं है।

हमें यह मैच भूलना होगा, अब प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण, हार के बाद बोली रोड्रिग्स

दुबई (एजेंसी)। भारत की मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने कहा कि टीम को महिला टी20 विश्व कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड से मिली हार को भूलकर आगे बढ़ना होगा क्योंकि अब उसके लिए प्रत्येक मैच बेहद महत्वपूर्ण बन गया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को शुक्रवार को कीवी टीम से 58 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम अपने अगले मैच में रविवार को पाकिस्तान का सामना करेगी।

रोड्रिग्स ने कहा, 'हमें यह मैच भूलकर आगे बढ़ना होगा क्योंकि यह विश्व कप है। हम एक मैच पर नहीं अटके रह सकते हैं। टीम को निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना होगा जिससे उसके जज्बे का पता भी चलेगा। रोड्रिग्स ने टीम को उस प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जिसके कारण उसने अतीत में कुछ अच्छी जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम एक प्रक्रिया का अनुसरण कर रहे हैं और एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहे हैं। हम जानते हैं कि अब हमारे लिए प्रत्येक मैच बेहद महत्वपूर्ण बन गया है लेकिन हम एक बार में एक मैच पर ही ध्यान देंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हम अपनी प्रक्रिया पर कायम रहें। रोड्रिग्स ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर हम ऐसा करने में सफल रहते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो हम मैच जीत सकते हैं। मुंबई की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि भारतीय टीम न्यूजीलैंड के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी लेकिन वह ऐसा करने में असफल रही।

सोमवार को भारत-बांग्लादेश टी-20 श्रृंखला में

मयंक की फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा

ग्वालियर (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच सोमवार से यहां शुरू होने वाली तीन मैच की टी20 श्रृंखला में अपनी तेज गेंदबाजी के कारण क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले मयंक यादव की फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी जबकि अन्य युवा खिलाड़ियों के पास भी अपनी चमक बिखेरने का यह शानदार मौका होगा। मयंक ने इस साल के शुरू में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था लेकिन पसलियों में खिंचाव के कारण उन्हें टूर्नामेंट के बीच से ही हटना पड़ा था।

अमूमन किसी भी खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करनी पड़ती है लेकिन 22 वर्षीय मयंक को उनके विशेष कौशल के कारण भारतीय टीम में जगह दी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में उनकी फॉर्म और फिटनेस की परीक्षा होगी। अभी यह देखना होगा कि उन्होंने जिस सटीकता और नियंत्रण के साथ आईपीएल में गेंदबाजी की थी वह उसी की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं।

मयंक के अलावा बांग्लादेश के खिलाफ इस श्रृंखला में दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और ऑलराउंडर नीतीश कुमार को भी भारत की तरफ से पदार्पण का मौका मिल सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला को देखते हुए शुभमन गिल, ऋषभ पंत, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और अक्षर पटेल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टीम में शामिल दो बड़े नाम हैं। उनके अलावा टी20 विश्व कप की विजेता टीम में शामिल रहे शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह को भी इस श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया है।

सीनियर खिलाड़ियों को विश्राम दिए जाने के कारण अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों के पास अपना कौशल दिखाने का यह बेहतरीन मौका है। अभिषेक ने जिम्बॉब्वे के खिलाफ शतक लगाया था। बांग्लादेश के खिलाफ उनके साथ संजू सैमसन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। रियान पराग को जुलाई के बाद भारत की तरफ से छह टी20 मैच में खेलने का मौका मिला है लेकिन वह इनमें आईपीएल जैसी फॉर्म नहीं दिखा पाए। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी इस श्रृंखला से वापसी करेंगे। रवि बिश्नोई टीम में शामिल दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

रिजर्व विकेटकीपर के रूप में चुने गए जितेश शर्मा ने जून में आईपीएल के बाद कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें अभी तक जिन नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने का मौका मिला है उनमें वह अपना जलवा दिखाने में नाकाम रहे हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ इन तीन मैच के बाद अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। उस श्रृंखला के लिए भी भारत के सीनियर खिलाड़ी उपलब्ध नहीं रहेंगे क्योंकि तब भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर होगी।

जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसे अपने स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना खेलने की आदत डालनी होगी। शाकिब ने पिछले महीने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। भारत ने टेस्ट श्रृंखला में बांग्लादेश को दोनों मैच में हराया था लेकिन उसकी टी20 टीम के अधिकतर खिलाड़ी उस टीम का हिस्सा नहीं थे।

यह मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में खेला जाएगा जिससे ग्वालियर में 14 साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की भी वापसी होगी। इस शहर में आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच वनडे के रूप में 2010 में खेला गया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए इस मैच में सचिन तेंदुलकर वनडे में दोहरा शतक जड़ने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे।

यह हो सकती है संभावित प्लेइंग 11

- **भारत** – अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव
- **बांग्लादेश**– लिटन दास, तन्ज़िद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह, जेकर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब

ड्रॉ पर राजी हो हुए दोनों कप्तान, मुम्बई ने 15वीं बार जीता ईरानी ट्रॉफी का खिताब

लखनऊ (एजेंसी)। पारी में शानदार प्रदर्शन की बदौलत मिली बढ़त के दम पर मुम्बई ने ईरानी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया हैं। यह 15वीं बार है जब मुम्बई ने यह खिताब जीता है। मुंबई और शेष भारत के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। मुंबई ने पहली पारी में 537 रन बनाए थे। शेष भारत की पारी 416 रनों पर सिमट गई। मुंबई ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 329 रन बनाए लिए थे तभी दोनों कप्तान ड्रॉ पर राजी हो गए।

मुंबई के युवा आलरांउडर तनुष कोटियान ने आज अपने कल के स्कोर 20रन से आगे धैर्यपूर्ण शुरुआत की। वह आठवें नंबर पर जब बल्लेबाजी करने के लिए आये उस समय मुंबई 125 के स्कोर पर अपने छह विकेट गवां चूकी थी। सुबह के सत्र में जल्द ही टीम का स्कोर 8 विकेट पर 171 रन हो गया। इसके बाद भी कोटियान पिच पर जमे रहे। उन्होंने 135 गेंदों पर उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना दूसरा शतक पूरा किया। उन्होंने 150 गेंदों पर 10 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (नाबाद 114) रन बनाए।

इससे पहले उन्होंने अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक नंबर-10 पर खेलते हुए बनाया था। पहली पारी में दोहरा शतक बनाने वाले सरफराज खान दूसरी पारी में विफल रहे और 17 रन पर सारांश जैन ने उन्हें पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद शार्दुल ठाकुर (2) भी सारांश जैन का शिकार बने। आठ विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए मोहित अवस्थी ने तनुष का बखूबी साथ निभाया और दोनों बल्लेबाजों ने नौंवें विकेट के लिए रिकार्ड 158 रन जोड़े। मोहित अवस्थी ने 93 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (नाबाद 51) रन बनाए। शेष भारत की ओर से सारांश जैन ने छह विकेट लिए। मानव सुथार ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

टी-20 महिला वर्ल्ड कप

न्यूजीलैंड से हार के बाद आज भारत का सामना पाकिस्तान से, ये हो सकती है प्लेइंग 11

दुबई (एजेंसी)। पहले मैच में न्यूजीलैंड से करारी हार से आहत भारत को अगर महिला टी20 विश्व कप में अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसे पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में टीम संयोजन की अपनी खामियों को दूर करना होगा। भारतीय टीम को शुक्रवार को अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 58 रन से हार का सामना करना पड़ा जिससे उसकी सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है और इससे उसके लिए आगे के सभी मैच बेहद महत्वपूर्ण बन गए हैं।

भारत का नेट रन रेट अच्छा नहीं है और उसके लिए अब पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैचों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल के तीनों विभाग में खराब प्रदर्शन किया। उसके पास अब समय नहीं है और उसे जल्द से जल्द अपनी कमजोरियों को दूर करना होगा। यह काम इतना आसान नहीं है क्योंकि उसका सामना अब पाकिस्तान से है जिसने पहले मैच में श्रीलंका को हराया था।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले भारत को टीम संयोजन में सुधार करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ अरुंधति रेड्डी के रूप में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने के लिए भारत को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना पड़ा। इस वजह से हरमनप्रीत को तीसरे, जेमिमा रोड्रिग्स को चौथे और रिचा घोष को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरना पड़ा जबकि अमूमन वे इन स्थानों पर बल्लेबाजी नहीं करते हैं।

भारत का तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का फैसला सही साबित नहीं हुआ क्योंकि पिच में नमी नहीं थी और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से उनका सामना किया। भारत इस कारण अपने तेज गेंदबाजों का पूरा उपयोग नहीं कर पाया जिसका उदाहरण पूजा वस्त्राकर हैं जिन्होंने केवल एक ओवर किया। तीन तेज गेंदबाजों के साथ खेलने के कारण भारत को बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव को बाहर करना पड़ा और मैच के दौरान उनकी काफी कमी खली। भारत के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसकी तरफ से सर्वोच्च स्कोर 15 रन था जो हरमनप्रीत ने बनाया था।

भारत अब अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए दयालन हेमलता को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। भारत का पाकिस्तान के खिलाफ शानदार रिकार्ड रहा है। इन दोनों टीम के बीच जो 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं उनमें से भारत ने 12 मैच में जीत दर्ज की है। भारत हालांकि अपने इस प्रतिद्वंद्वी को हल्के से लेने की गलती नहीं कर सकता जिसका गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। पाकिस्तान के पास अनुभवी निदा डार, कप्तान फातिमा सना और सादिया इकबाल जैसे अच्छे गेंदबाज हैं।

ये हो सकती है प्लेइंग 11

भारत – शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, श्रेयंका पाटिल, आशा शोभना, रेणुका ठाकुर सिंह।

पाकिस्तान – मुनीबा अली (विकेटकीपर), गुल फिरोजा, सिदरा अमीन, निदा डार, आलिया रियाज, ओमैमा सोहेल, फातिमा सना (कप्तान), तुबा हसन , नशरा संधू , डायना बेग , सादिया इकबाल।

समय – दोपहर 3.30 बजे से।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, होप और पॉवेल को कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप वनडे में कप्तानी करेंगे और ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल टी20 में कप्तान होंगे, क्योंकि क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए टीम की घोषणा की है। निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर, आंद्रे रसेल और अकील होसेन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज की आगामी सीरीज से बाहर होने का विकल्प चुना है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक आधिकारिक बयान में कहा, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, अकील होसेन और शिमरोन हेटमायर सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत कारणों से दौरे से बाहर होने का विकल्प चुना है, जिससे नए चेहरों और वापसी करने वाले खिलाड़ियों के लिए रास्ता खुल गया है।

टीम के मुख्य कोच डेरेन सैमी ने कहा कि उन्हें श्रीलंका सीरीज के लिए चुनी गई टीम पर पूरा भरोसा है। सैमी ने कहा, श्रीलंका का दौरा हमें अपनी गहराई को परखने और विभिन्न परिस्थितियों में खिलाड़ियों का आकलन करने का मौका देता है, खासकर तब जब कई वरिष्ठ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से बाहर हैं, जिसमें चोट से उबरने और पुनर्वास की आवश्यकता भी शामिल है। हमें श्रीलंका के खिलाफ मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने के लिए टीम की क्षमता पर भरोसा है।

टी20 और वनडे सीरीज का शेड्यूल

आईसीसी के अनुसार श्रीलंका अक्टूबर में तीन मैचों की टी20आई और एकदिवसीय श्रृंखला के साथ सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच टी20आई श्रृंखला 13 अक्टूबर से शुरू होगी। श्रृंखला का दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 15 और 17 अक्टूबर को होगा। टी20आई श्रृंखला के सभी मैच दांबुला में होंगे। इस बीच एकदिवसीय श्रृंखला 20 अक्टूबर से शुरू होगी। श्रृंखला का दूसरा और तीसरा मैच 23 अक्टूबर और 26 अक्टूबर को होगा। सभी 50 ओवर के मैच कैंडी में खेले जाएंगे।

टी20आई टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस (उप-कप्तान), फैबियन एलन, एलिक एथनाज़, आंद्रे फ्लेचर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर।

वनडे टीम

शाई होप (कप्तान), अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक एथनाज़, कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड और हेडन वॉल्श जूनियर।

भारत-बांग्लादेश टी-20 सीरीज

भारत की कमान सूर्यकुमार यादव संभालेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश अपनी टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए तैयार हैं। टी20 प्रारूप में भारतीय टीम की कमान सूर्यकुमार यादव संभालेंगे। टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन और जितेश शर्मा शामिल हैं। युवा बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा श्रीलंका के खिलाफ बाहर रहने के बाद टी20आई में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ रियान पराग और नितीश कुमार रेड्डी भी हैं।

हार्दिक पांड्या, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे टीम में ऑलराउंडर के तौर पर शामिल हैं। स्पिन विभाग में रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं, जबकि हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और मयंक यादव तेज गेंदबाज हैं। बांग्लादेश को ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के बिना आगे बढ़ना होगा जिन्होंने टेस्ट और टी20आई से संन्यास की घोषणा कर दी है। शाकिब के जाने से टीम में एक बड़ा अंतर पैदा हो गया है।

हाल ही में टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बावजूद टी20 टीम के अधिकांश सदस्यों ने उन मैचों में हिस्सा नहीं लिया, इसलिए वे व्हाइट-बॉल सीरीज की शुरुआत नए सिरे से करेंगे। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज को 14 महीने के अंतराल के बाद वापस बुलाया गया है। अनुभवी बल्लेबाज महमूद उल्लाह अपने करियर के अहम मोड़ पर हैं। विश्व चैंपियन के खिलाफ इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने से उन्हें खेलना जारी रखने की प्रेरणा मिल सकती है।

भारत बनाम बांग्लादेश टी20आई कार्यक्रम – सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में होगा। दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 9 अक्टूबर को दिल्ली और 12 अक्टूबर को हैदराबाद में होगा।

बांग्लादेश सीरीज के लिए भारत की टी20आई टीम –

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेट कीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन (विकेटकीपर), तौहीद हृदय, महमूद उल्लाह, लिटन दास (विकेटकीपर), जैकर अली अनिक (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, रकीबुल हसन।

पहला मैच 6 अक्टूबर को

भारत बनाम बांग्लादेश पहला टी20 मैच 6 अक्टूबर को खेला जाएगा और मैच शाम 7 बजे शुरू होगा।

कश्मीर में 38 साल बाद होगी क्रिकेट की वापसी

लीजेंडस लीग में चौके-छक्के लगाते नजर आएंगे महान क्रि केटर्स

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर का बख्शी स्टेडियम लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के लिए तैयार है और बुधवार से टूर्नामेंट शुरू होने के साथ ही 38 साल बाद संघर्षग्रस्त कश्मीर घाटी में एक बार फिर क्रिकेट की वापसी होगी। श्रीनगर ने अब तक अपने इतिहास में केवल दो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी की है जिसमें पहला 1983 में और दूसरा मैच 1986 में खेला गया था।

सन् 1989 में उग्रवाद भड़कने के कारण यह क्षेत्र अराजकता में डूब गया। अब शहर एलएलसी के अंतिम चरण में 9 अक्टूबर से लगातार सात क्रिकेट मैचों की मेजबानी करेगा। यह एक टी20 क्रिकेट लीग है जिसमें हाल ही में संन्यास ले चुके महान क्रिकेटर शामिल हैं और जो इंडियन प्रीमियर लीग की तरह प्रसिद्ध हो रहा है। क्रिस गेल, सुरेश रैना, इरफान पठान, मार्टिन गुप्टिल, रॉस टेलर और इयान बेल जैसे 124 खिलाड़ियों वाली छह टीमें सुरम्य घाटी में जुटेंगी।

क्रिकेटर भी कश्मीर में एलएलसी के लिए उत्साहित – लीग के सह-संस्थापक रमन रहेजा ने कहा, पिछले 40 वर्षों से यहां उच्च गुणवत्ता वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं हुआ है। तो यही विचार था। मैंने क्रिकेटरों से बात की और वे एलएलसी के लिए उत्साहित थे। कश्मीर में पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच भारत और वेस्टइंडीज के बीच अक्टूबर 1983 में शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में आयोजित किया गया था और दूसरा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सितंबर 1986 में। दोनों ही मैच भारत हार गया था। उन्होंने कहा, इसका उद्देश्य 20 से अधिक देशों के क्रिकेटरों को घाटी में लाना है और यह ऐतिहासिक होने वाला है। 1983 के मैच में काफी ड्रामा हुआ था, जब पुलिस ने पिच खोदने के आरोप में 17 लोगों को गिरफ्तार किया था जिनमें से कुछ बाद में 1989 में राज्य में सशस्त्र विद्रोह भड़कने के बाद उग्रवाद के शीर्ष कमांडर बन गए थे। इनमें प्रमुख रूप से शौकत बख्शी (जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के पूर्व जिला कमांडर), मुश्ताक-उल-इस्लाम (हिजबुल्लाह के पूर्व कमांडर) और उदारवादी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह शामिल थे।

शास्त्री ने श्रीनगर में खेले मैच को किया याद – लीग इस समय जम्मू में चल रही है, जहां पिछले साल से मैच होने शुरू हो गए थे। लीग के कमिश्नर और पूर्व भारतीय खिलाड़ी रवि शास्त्री ने जम्मू, श्रीनगर में खेले गए अपने 1986 के मैच को याद किया। उन्होंने कहा, मैं 1986 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीनगर में भारत के लिए खेलने आया था। उसके बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं हुआ। यहां आकर लोगों की दिलचस्पी देख रहा हूं। युवाओं को दिग्गजों को देखने का जो मौका मिल रहा है, उससे उन्हें काफी मदद मिलेगी। पिछले दो सालों में घाटी में आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है और पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। रहेजा ने कहा कि जब उन्होंने पिछले साल कश्मीर आने का विचार रखा था, तो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में कुछ चिंताएं थीं। उन्होंने कहा, कश्मीर में बेहतर स्थिति ने मदद की है क्योंकि हमारे पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं और वे इस क्षेत्र की स्थिति के बारे में पढ़ते हैं। इसलिए पिछले साल जब हम जम्मू में योजना बना रहे थे, तो वे सवाल पूछ रहे थे। जब हम जम्मू गए, तो उन्हें लगा कि यह बहुत अच्छा है और सभी सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इसलिए कुछ लोगों ने पिछले साल इसे कश्मीर ले जाने के लिए कहा था, लेकिन दुर्भाग्य से समय कम था।

भूमि की उत्पादन क्षमता बढाने में

जैव उर्वरकों का महत्व

रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से उपज में वृद्धि तो होती है परन्तू अधिक प्रयोग से मृदा की उर्वरता तथा संरचना पर भी प्रतिकूल प्रभाव पडता है इसलिए रासायनिक उर्वरकों (Chemical fertilizers) के साथ साथ जैव उर्वरकों (Bio-fertilizers) के प्रयोग की सम्भावनाएं बढ रही हैं।

जैव उर्वरकों के प्रयोग से फसल को पोषक तत्वों की आपूर्ति होने के साथ मृदा उर्वरता भी स्थिर बनी रहती है। जैव उर्वकों का प्रयोग रासायनिक उर्वरकों के साथ करने से रासायनिक उर्वकों की क्षमता बढती है जिससे उपज में वृद्धि होती है।

जैव उर्वक क्या हैं - जैव उर्वरक जीवणू खाद है। खाद मे मौजूद लाभकारी शुक्ष्म जीवाणू (bactria) वायूमण्डल मे पहले से विद्धमान नाईट्रोजन को पकडकर फसल को उपलब्ध कराते हैं और मिट्टी में मौजूद अघुलनशील फास्फोरस (insolulable phosphorus) को पानी में घुलनशील बनाकर पौधों को देते हैं। इस प्रकार रासायनिक खाद की आवश्यकता सीमित हो जाती है।

वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा यह सिद्ध किया जा चुका है कि जैविक खाद के प्रयोग से 30 से 40 किलो ग्राम नाइट्रोजन प्रति हैक्टेयर भूमि को प्राप्त हो जाती है तथा उपज 10 से 20 प्रतिशत तक बढ जाती है। अतः रासायनिक उर्वकों को थोडा कम प्रयोग करके बदले में जैविक खाद का प्रयोग करके फसलो की भरपूर उपज पाई जा सकती है। जैव उर्वक रासायनिक उर्वको के पूरक तो हैं ही साथ ही ये उनकी क्षमता भी बढाते हैं। फास्फोबैक्टीरिया और माइकोराइजा नामक जैव उर्वक के प्रयोग से खेत में फास्फोरस की उपलब्धता में 20 से 30 प्रतिशत की बढोतरी होती है।

मुख्यतः जैविक उर्वरक दो प्रकार की होती है- नाईट्रोजनी जैव उर्वरक तथा फास्फोरी जैव उर्वरक

जैव उर्वरक राइजोबियम	उपयुक्त फसलें सभी दलहनी	संस्तुत प्रयोग विधि	आवश्यक मात्रा
Rhizobium	(pulses) फसलो के लिए	बीजोपचार	200 ग्राम प्रति 10-15 किग्रा बीज
एजोटोबैक्टर Azotobactor	दलहनी फसलो को छोडकर अन्य सभी फसलों के लिए	बीजोपचार, जड उपचार, व मृदा उपचार	200 ग्राम प्रति 10-15 किग्रा बीज या 5 किग्रा प्रति हैक्टेयर
एजोस्पिरिलम Azospirilum	दलहनी फसलो को छोडकर अन्य सभी फसलों के लिए, गन्ने के लिए विशेष उपयोगी	बीजोपचार, जड उपचार, व मृदा उपचार	200 ग्राम प्रति 10-15 किग्रा बीज या 5 किग्रा प्रति हैक्टेयर
फौफोबैक्टीरिया phosphobacteria	सभी फसलों के लिए	बीजोपचार, जड उपचार, व मृदा उपचार	200 ग्राम प्रति 10-15 किग्रा बीज या 5 किग्रा प्रति हैक्टेयर

जैव उर्वकों से लाभ -

- ये अन्य रासायनिक उर्वकों से सस्ते होते हैं जिससे फसल उत्पादन की लागत घटती है।
- जैव उर्वरकों के प्रयोग से नाईट्रोजन व घुलनशील फास्फोरस की फसल के लिए उपलब्धता बढतीहैं।
- इससे रासायनिक खाद का प्रयोग कम हो जाता है जिससे भूमि की मृदा संरचना ।
- जैविक खाद से पौधों मे वृद्धिकारक हारमोन्स उत्पन्न होते हैं जिनसे उनकी की बढवार पर अच्छा प्रभाव पडता है।
- जैविक खाद से फसल में मृदाजन्य रोगों नही होते।
- जैविक खाद से खेत मे लाभकारी शुक्ष्म जीवों (micro organism) की संख्या मे बढोतरी होती है।
- जैविक खाद से पर्यावरण सुरक्षित रहता है।

जैविक खाद का प्रयोग कैसे करें

जैव उर्वरकों का प्रयोग बीजोपचार या जड उपचार अथवा मृदा उपचार द्वारा किया जाता है।

बीजोपचार -

1. 200 ग्राम जैव उर्वरक का आधा लिटर पानी में घोल बनाएं।
2. इस घोल को 10-15 किलो बीज के ढेर पर धीरे-धीरे डालकर हाथों से मिलाएं जिससे कि जैव उर्वरक अच्छी तरह और समान रूप से बीजों पर चिपक जाऐ ।
3. इस प्रकार तैयार उपचारित बीज को छाया में सुखाकर तुरन्त बुआई कर दें।

जड उपचार -

1. जैविक खाद का जडोपचार द्वारा प्रयोग रोपाई वाली फसलों मे करते हैं।
2. 4 किलोग्राम जैव उर्वरक का 20-25 लीटर पानी में घोल बनाऐं।
3. एक हैक्टेयर के लिए पर्याप्त पौध की जडों को 25-30 मिनट तक उपरोक्त घोल में डुबोकर रखें।
4. उपचारित पौध को छांया में रखे तथा यथाशीघ्र रोपाई कर दें।

मृदा उपचार -

1. एक हैक्टेयर भूमि के लिए, 200 ग्राम वाले 25 पैकेट जैविक खाद की आवश्यकता पडती है।
2. 50 किलोग्राम मिट्टी 50 किलोग्राम कम्पोस्ट खाद मे 5 किलोग्राम जैव उर्वरक कोअच्छी तरह मिलाऐं।
3. इस मिश्रण को एक हैक्टेयर क्षेत्रफल मे बुआई के समय या बुआई से 24 घंटे पहले समान रूप से छिडकें। इसे बुआई के समय कूंडो या खूडो में भी डाल सकते हैं।

ध्यान रखें कि -

- नाईट्रोजनी जैव उर्वरकों के साथ फास्फोबैक्टीरिया का प्रयोग अत्यन्त लाभकारी है।
- प्रत्येक दलहनी फसल के लिए अलग राईजोबियम कल्चर आता है अतः दलहनी फसल के अनुरूप ही राजोबियम कल्चर खरीदें और प्रयोग करें ।
- जैव उर्वरकों को धूंप में कभी ना रखें। कुछ दिनों के लिए रखना हो तो मिट्टी के घडे का प्रयोग बहुत अच्छा है।
- फसल विशेष के अनुसार ही जैविक खाद का चुनाव करें।
- रासायनिक खाद तथा कीटनाशक दवाईयों से जैविक खाद को दूर रखें तथा इनका एक साथ प्रयोग भी ना करें।

कहां से लें - जैव उर्वरकों के तैयार पैकेट खाद विक्रेताओं, किसान सेवा केन्द्रो एवं सहकारी समितियों से प्राप्त किये जा सकते हैं।

ऊंची भूमि व दोमट मिट्टी में करें दलहन की खेती

उड़द में प्रोटीन की मात्र 23.5 प्रतिशत, काबरेहाइड्रेट 71 प्रतिशत, वसा 18 प्रतिशत और मूंग में प्रोटीन की मात्र 25.6 प्रतिशत, काबरेहाइड्रेट 69. 2 प्रतिशत, वसा 1. 3 प्रतिशत के अलावा अन्य पोषक तव जैसे कैल्शियम, फॉस्फोरस, लोहा, पोटाश पाया जाता है. यह ऊर्जा का प्रमुख श्रोत है. उड़द में 38. 5 किलो और मूंग में 38.1 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है. झारखंड राज्य के वैसे हिस्सों में जहां पानी की सुविधा हो वहां गरमा मूंग की खेती करनी चाहिए और खरीफ मौसम में उड़द की खेती ज्यादा लाभकारी होती है. उड़द और मूंग की भरपूर पैदावार के लिए निम्नलिखित उत्पादन कारकों एवं विधियां को ध्यान में रखकर उड़द व मूंग की अच्छी पैदावार की जा सकती है -

भूमि का चुनाव - उड़द व मूंग की खेती विभिन्न प्रकार कीजमीन पर की जा सकती है. लेकिन अच्छे जल निकासी वाली ऊंची भूमि, दोमट मिट्टी जिसका पीएच मान 6. 0 से 6. 5 के बीच हो, वह उड़द व मूंग की खेती के लिए उपयुक्त है.

खेत की तैयारी - खेत की 2-3 बार देसी हल से जुताई करने के बाद पाटा आवश्यक है. खेत की अंतिम जुताई के समय क्लोरपायरीफॉस पांच प्रतिशत, धूल 25 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से भुरकाव करें, ताकि दीमक का प्रकोप कम हो सके. जरूरत के अनुसार ग्रीष्मकालीन फसल में 10 किलो फोरेट प्रति हेक्टेयर की दर से डालने से कीड़े के प्रकोप को कम किया जा सकता है

बीजोपचार - बीज जनित एवं मृदा जनित रोगों से फसल के बचाव के लिए बोने से पहले बीज को दो ग्राम बैविस्टीन प्रति किलोग्राम की दर से शोधित करना चाहिए इसके पश्चात कम से कम आंधे घंटे बाद कीटनाशक दवा इमिडाक्लोपरीड तीन मिलीलीटर या डाइमिथोएट पांच मिलीलीटर की मात्र को 50 मिलीलीटर पानी में घोल बना कर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए इससे मृदा में उपस्थित हानिकारक कीटों से बचा जा सकता है. दीमक से बचाव के लिए छह मिलीलीटर क्लोरपायरीफॉस तरल का 50 मिलीलीटर पानी में घोल बनाकर उसे एक किलोग्राम बीज में अच्छी तरह मिलाने के बाद छाया में सुखाकर बोआई करनी चाहिए

उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार के लिए बीजों का राइजोबियम कल्चर तथा जहां पर भूमि में फॉस्फोरस की कमी है, वहां पर पीएसबी कल्चर 20 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर से उपचार करना चाहिए राइजोबियम कल्चर के बीज से मिलाने के लिए आधा लीटर पानी में 100 ग्राम गुड़ डालकर घोल बनाकर उबाल लें और ठंडा कर लें. घोल ठंडा होने के बाद इस घोल में राइजोबियम कल्चर का एक पैकेट मिला दें तथा 10 किलो बीज के ऊपर से मिश्रण को मिलायें. इसके बाद उपचारित बीज को दो से तीन घंटे छाया में सुखाकर बोआई करें बीज उपचार करने का सही क्रम पहले फंफूदी, कीटनाशी, जीवाणुनाशी फिर राइजोबियम कल्चर तथा अंत मे पीएसबी कल्चर है

उन्नत किस्में

मूंग - झारखंड में इसकी खेती खरीफ तथा जायद (बसंत एवं ग्रीष्मकालीन) मौसम में होती है. पूसा विशाल व एसएमएल. 668 अच्छी किस्में हैं.

उड़द - बिरसा उड़द 1, पंत उड़द 19, उत्तरा.

बुआई एवं बीज दर - खरीफ उड़द एवं खरीफ मूंग की पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखी जानी चाहिए. बीज दर 25 किलो प्रति हेक्टेयर होना चाहिए तथा बोआई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई मध्य तक की जानी चाहिए बसंतकालीन या ग्रीष्मकालीन मूंग को पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी आठ सेंटीमीटर होती है. बीज दर 30 किलो प्रति हेक्टेयर उपयोग की जाती है. बसंतकालीन फसल की बोआई मार्च के प्रथम पखवारा में की जाती है तथा ग्रीष्मकालीन फसल की बोआई अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक की जाती है.

उर्वरक की मात्र - उड़द और मूंग की अच्छी पैदावार लेने के लिए 20 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए उर्वरकों की यह मात्र 100 किलोग्राम डीएपी, 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 125 किलोग्राम फास्फोजिप्सम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए यदि फॉस्फोरस सिंगल सुपर फॉस्फेट के रूप में खेत में देते हैं तो फसल को सल्फर भी उपलब्ध हो जाता है. तब फसल को 33 किलोग्राम यूरिया, 250 किलोग्राम एसएसपी तथा 33 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए जिन खेतों की मिट्टी अम्लीय हो उसमें चूना तीन-चार क्विंटल प्रति हेक्टेयर को कूड़ों में मिला कर प्रयोग करना चाहिए

खर-पतवार नियंत्रण- खर-पतवार से 30 से 40 प्रतिशत तक की उपज में कमी होती है. उड़द और मूंग की निकाई-गुड़ाई दो बार करनी चाहिए पहली बोआई के 20 दिनों बाद व दूसरी 40 दिनों के बाद करनी चाहिए. खरपतवारनाशी रसायन पेंडीमिथेलिन 2.5-3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 लीटर पानी का घोल बनाकर बोआई के तुरंत बाद छिड़कना चाहिए।

जुवार

मिट्टी के रोग मिटाने वाली फसल

जुवार किसी समय मालवा व निमाड़ क्षेत्र की प्रमुख फसल थी। आदिवासी क्षेत्रों में इसे जुवार माता के नाम से जाना जाता था। मालवा व निमाड़ को जुवार-कपास क्षेत्र (कॉटन-ज्वार झोन) के नाम से संबोधित किया जाता था। परंतु इसका क्षेत्रफल नगण्य हो गया है। अब यह फसल गरीबों के निर्वाह का साधन न रहकर अमीरों के शौक में शामिल हो गई है। जुवार खासकर मोटे दाने वाली जुवार का भाव आजकल खेरची में 1200 से 1500 रुपए क्विं. के बीच चल रहा है।

5-6 दशक पहले के कृषि वैज्ञानिक और अनुभवी कृषक जानते हैं कि जुवार उगाए जाने वाले क्षेत्रों के खेतों की मिट्टी में अब की अपेक्षा भूमिजनित रोग बहुत कम होते थे। जुवार को अकेली (एकल फसल) या कपास, तुवर, मूँग, उड़द, मूँगफली के साथ विभिन्न कतार अनुपात में मुख्य या सहायक अंतरवर्ती फसल के रूप में शामिल करके बोया जाता रहा था।

जुवार की देशी किस्मों के पौधे लंबे, अधिक ऊँचाई वाले, गोल या अंडाकार गूज नेक (बगुले या हंस की गर्दन के समान झुके हुए) भुट्टों वाले होते थे। इनमें दाने बिलकुल सटे हुए लगते थे। जुवार की उज्जैन 3, उज्जैन 6, पोला आँवला, लवकुश, विदिशा 60-1 मुख्य प्रचलित किस्में थीं। इनकी उपज 12 से 16 क्विंटल दाना और 30 से 40 क्विंटल कड़वी (पशु चारा) प्रति एकड़ तक मिल जाती थी। इनका दाना मीठा, स्वादिष्ट होता था।

चूँकि ये किस्में कम पानी व अपेक्षाकृत हल्की जमीनों में हो जाने के कारण आदिवासी क्षेत्रों की प्रमुख फसल थी। ये उनके जीवन निर्वाह का प्रमुख साधन था। साथ ही इससे उनके पशुओं को चारा भी मिल जाता था। इनके झुके हुए ठोस भुटटों पर पक्षियों के बैठने की जगह न होने के कारण नुकसान कम होता था।

इसके बाद आई जुवार की खुले भुट्टे वाली अधिक उपज देने वाली संकर किस्में।

जुवार के नगण्य क्षेत्रफल और अच्छे भावों को दृष्टिगत रखते हुए अगर कुछ किसान मिलकर अपने पास-पास लगे हुए खेतों में इस फसल को उगाकर अधिक लाभ उठा सकते हैं। क्योंकि इसके दाने और कड़वी दोनों ही उचित मूल्य पर बिक सकते हैं

इनके आने से जुवार की विपुल पैदावार मिलने, बाजार में माँग से अधिक पूर्ति के कारण भाव गिरकर 70 रु. प्रति क्विंटल तक आ गए। सरकार द्वारा दिए गए समर्थित मूल्य भी पूरी तरह खरीदी न होने के कारण सहारा न दे सके। इसी समय आई सोयाबीन। इसकी अधिक उपज, नई फसल होने के कारण कीड़ों व रोगों का कम प्रकोप, विदेशी मुद्रा कमाने वाली फसल होने के कारण सरकार का पूर्ण समर्थन, पर्याप्त अनुसंधान इन सब कारणों से जुवार की जमीन छिन गई।

इन 50-60 वर्षों में सोयाबीन ने सरकार व कृषक को पैसा तो दिलवाया परंतु सुनियोजित खेती के तरीकों व सिद्धांतों के अभाव में अब मिट्टी की उर्वरता व स्वास्थ्य पर इसके दुःष्प्रभाव परिलक्षित होने लगे हैं। अनेक खेतों में राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, स्क्लेरोशियम प्रजाति के पौध रोग व पौध अवशेषों में सोयाबीन की गर्डल बीटल आर्मी वर्म जैसे कीड़ों ने अपना स्थाई निवास बना लिया है। ये रोग व कीड़े बहुआश्रयी होने के कारण अनेक वर्ग की फसलों और सब्जियों को नुकसान पहुँचाते हैं। आपने खेत में फसल या सब्जियाँ लगाई नहीं कि इनकी पहले से तैयार फौज टूट पड़ती है उन पर।

जुवार के नगण्य क्षेत्रफल और अच्छे भावों को दृष्टिगत रखते हुए अगर कुछ किसान मिलकर अपने पास-पास लगे हुए खेतों में इस फसल को उगाकर अधिक लाभ उठा सकते हैं। क्योंकि इसके दाने और कड़वी दोनों ही उचित मूल्य पर बिक सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके खेत की मिट्टी में उपरोक्त रोग लगते हैं तो जुवार को फसल क्रम में शामिल करके उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के लिए जुवार की समर्थित संकर किस्में सीएसएच5, सीएसएच9, सीएसएच-14, सीएसएच-18 है। इनके अलावा विपुल उत्पादन देने वाली उन्नत किस्में (जिनका बीज हर साल नया नहीं बदलना पड़ता है) हैं- जवाहर जुवार 741, जवाहर जुवार 938, जवाहर जुवार 1041 एसपीवी 1022 और एएसआर-1 (यह अगिया प्रभावित क्षेत्रों के लिए समर्थित हैं)। इनके बीजों के लिए जुवार अनुसंधान परियोजना, कृषि महाविद्यालय इंदौर से संपर्क कर सकते हैं। एक हैक्टेयर (ढाई एकड़) में बोने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज लगता है।

बोने के पहले इसे 5 ग्राम ट्राइकोडर्मा विरिडि (प्रोटेक्ट) नामक जैविक फफूँदनाशक से प्रति एक किलोग्राम बीज के साथ मिलाकर उपचारित कर लें। इसे 45 सेमी दूरी पर कतारों में बोएँ। बोते समय ही 40 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा स्फुर व 40 किग्रा पोटाश मिलाकर दुफन-तिफन या बीज-उर्वरक बोवाई यंत्र से बीज की कतारों के नीचे बोएँ। बीज अंकुरित होने व पौधे जम जाने पर कतारों के अंदर दो पौधों के बीच 10-12 सेमी की दूरी रखकर बीच के कमजोर पौधे निकाल दें। 40 किग्रा नत्रजन की दूसरी मात्रा बोने के 25-30 दिन बाद खड़ी फसल की कतारों के बीच यूरिया के रूप में डालकर गुड़ाई द्वारा मिला दें।

खरपतवार नियंत्रण के लिए डोरा चलाएँ = इसे सोयाबीन तुवर, कपास आदि की मुख्य फसल के साथ सहायक अंतरवर्ती फसल के रूप में भी लिया जा सकता है। दलहन फसलों में कतार अनुपात 4=2 या 6=2 उपयुक्त पाया गया है। यानी प्रत्येक 4 या 6 कतार तुवर के बाद दो कतारें जुवार की बोएँ। जुवार की संकर किस्मों से 25-30 क्विंटल दाना और 80-90 क्विंटल चारा तथा उन्नत किस्मों से 22-25 क्विंटल दाना व 100-120 क्विंटल चारा मिल जाता है।

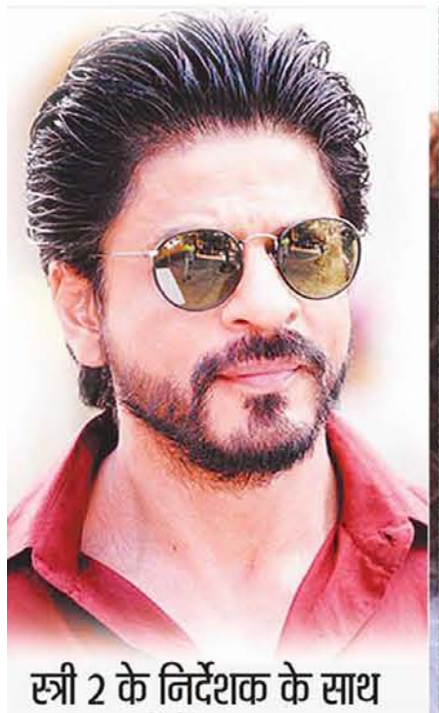

स्त्री 2 के निर्देशक के साथ काम करेंगे शाहरुख खान? फिल्म को लेकर आई बड़ी जानकारी

पठान, जवान और डंकी से साल 2023 में धमाल मचाने वाले शाहरुख खान की इस कोई भी फिल्म इस साल पर्दे पर नहीं आई है। वह इन दिनों अपनी मेगा एक्शन मनोरंजक फिल्म किंग की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस बीच उनकी एक और फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। कई समाचार वेबसाइट्स में छपी खबरों की मानें तो किंग और पठान 2 जैसी मारधाड़ वाली फिल्मों के बीच शाहरुख खान एक हल्की-फुल्की मनोरंजक फिल्म में काम करने का विचार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि किंग खान इस समय अपनी इस आगामी फिल्म के लिए बातचीत को अंतिम रूप दे रहे हैं।

एडवेंचर फिल्म में काम करेंगे शाहरुख

रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेता एक एडवेंचर फिल्म के लिए अमर कौशिक और मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दोनों पक्षों के बीच तीन दौर की चर्चा पहले ही हो चुकी है।

अमर कौशिक से चल रही बात

रिपोर्ट में किंग खान के करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है, शाहरुख खान ने पिछले कुछ महीनों में लगभग हर फिल्म निर्माता से मुलाकात की है। उनके पास उनके लिए जो भी आइडिया आए उन्होंने उन्हें सुना, लेकिन कुछ भी उन्हें उत्साहित नहीं कर सका। अब शाहरुख खान अमर कौशिक और दिनेश विजान की स्त्री 2 टीम के साथ बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा माना जा रहा है कि अमर और दिनेश स्त्री की तरह एक एडवेंचर पर आधारित सफल फ्रैंचाइजी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, शाहरुख ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन उनके और फिल्म की टीम के बीच और मीटिंग होने की उम्मीद है। यह फिल्म स्त्री यूनिवर्स का हिस्सा नहीं होगी।

कब शुरू होगी शूटिंग?

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि शाहरुख राज और डीके के साथ कॉमिक-एक्शन थ्रिलर के बारे में अलग से चर्चा कर रहे हैं। कथित तौर पर अब उनके पास फिल्म के लिए दो विकल्प हैं, जिन्हें वह किंग को खत्म करने के बाद और पठान 2 शुरू करने से पहले करना चाहते हैं। फिल्म किंग की बात करें तो इसमें शाहरुख खान के साथ सुहाना खान और अभिषेक बच्चन भी हैं। इस फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू होगी। वह अगले साल के अंत तक या 2026 की शुरुआत में पठान 2 शुरू कर सकते हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन जल्द ही बतौर निर्माता अपनी शुरुआत करने वाली हैं। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है। इस बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म दो पत्ती है, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। कृति से पहले और भी बहुत सी अभिनेत्रियां फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख चुकी हैं। आइए उनके बारे में जानते हैं...

अभिनय के साथ फिल्म निर्माता भी हैं ये अभिनेत्रियां

कृति सेनन बॉलीवुड की खूबसूरत और प्रतिभाशाली अदाकाराओं में से एक हैं। अपने शानदार अभिनय की वजह से वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुकी हैं। अभिनय के बाद अब वह जल्द ही बतौर निर्माता अपनी शुरुआत करने वाली हैं। उन्होंने खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है, जिसका नाम उन्होंने ब्लू बटरफ्लाइ रखा है। इस बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म दो पत्ती है, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसमें कृति सेनन और काजोल मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। कृति से पहले और भी बहुत सी अभिनेत्रियां फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रख चुकी हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपनी शुरुआत के बाद आलिया ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। अभिनय के साथ अब वह फिल्मों का निर्माण भी करती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस है। फिल्म डार्लिंग के साथ बाद वह जिगरा के निर्माताओं में से भी एक हैं।

दीपिका पादुकोण

ओम शांति ओम से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली दीपिका आज किसी पहचान की मोहताज नहीं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं। अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करने के बाद उन्होंने फिल्म छपाक से निर्माता के तौर पर अपनी शुरुआत की थी। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम केए प्रोडक्शंस है।

प्रियंका चोपड़ा

हिंदी फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाने के बाद प्रियंका अब विदेशी प्रोजेक्ट्स में भी काम करके अपना जादू बिखेर रही हैं। वह जल्द ही सिटाडेट के अगले भाग में भी नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री होने के साथ प्रियंका फिल्म निर्माता भी हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम पर्पल पेबेल पिक्चर्स है।

कंगना रनौत

इस लिस्ट में कंगना रनौत का नाम भी शामिल है। कंगना ने अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी है। फिल्म में अपनी अदाकारी का दिखाने के बाद उन्होंने फिल्म निर्माण में भी कदम रखा। उनके प्रोडक्शन हाउस का नाम मणिकर्णिका फिल्म्स है। इंदिरा गांधी पर आधारित फिल्म इमरजेंसी इसी बैनर तले बनी है।

द केरल स्टोरी को मिली आलोचनाओं को लेकर बोलीं अदा

अदा शर्मा को उनकी फिल्म द केरल स्टोरी की वजह से काफी चर्चा मिली है। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित ये फिल्म काफी विवादों में भी रही थी। फिल्म में योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी सहित कई बेहतरीन कलाकार भी नजर आए थे। हाल में ही अदा शर्मा कॉमडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट पर नजर आई हैं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण के दौरान आने वाली कठिनाईयों के बारे में खुलकर बात की है।

द केरल स्टोरी को मिली आलोचनाओं पर बोलीं अदा

अभिनेत्री ने इस बातचीत के दौरान बताया कि फिल्म को किस तरह रिलीज से पहले ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म का कोई प्रीमियर भी नहीं हुआ और इससे जुड़े कई इंटरव्यू भी अंतिम समय में रद्द कर दिए गए। अभिनेत्री ने आगे बताया कि फिल्म के प्रचार पर भी काफी प्रतिबंध लगाया गया, जिसके अंतर्गत कई क्षेत्रों में होर्डिंग और पोस्टर तक लगाने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, तमाम प्रतिबंधों का सामना करने के बाद भी फिल्म ने शानदार सफलता हासिल करते हुए बॉक्स ऑफिस पर लगभग 300 करोड़ की कमाई की थी।

फिल्म ने तमाम आलोचनाओं के बाद भी तोड़े रिकॉर्ड

भारती के यूट्यूब चैनल भारती टीवी पर अभिनेत्री ने कहा,जब द केरल स्टोरी कर रहे थे, तो मुझे नहीं लगा कि हम कुछ पॉलिटिकल कर रहे हैं। मुझे लगा कि यह एक लड़की की कहानी है और यह आईएसएस के बारे में है। ये लोग लड़कियों को आत्मघाती हमलावर बना रहे हैं और हम सभी आतंकवादियों के खिलाफ हैं। फिल्म उसी के बारे में थी। अभिनेत्री ने फिल्म को रिलीज से पहले मिली आलोचनाओं को लेकर कहा कि इसके बावजूद, फिल्म ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई।

रीता सान्याल में आएंगी नजर

अभिनेत्री ने आगे कहा, रिलीज से 10 दिन पहले लगातार गालियां दी जा रही थीं, मैं सब पर प्रतिक्रिया भी दे रही थी और मैं सोच रही थी कि इंतजार करो और फिल्म देखो। ये 2 मिनट के ट्रेलर पर क्या कर रहे हो तुम लोग। फिर आखिरकार, जब फिल्म रिलीज हुई, तो हर कोई शांत था। बात करें अदा के वर्क फ्रंट की, तो वह जल्द ही वेब सीरीज रीता सान्याल में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन अभिरूप घोष ने किया है। यह शो 14 अक्टूबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर प्रीमियर होगा। यह सीरीज रीता सान्याल पर आधारित है, जो एक वकील है, जो जटिल कानूनी मामलों से निपटने के लिए जानी जाती है।

लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान रातभर रोती थीं तृप्ति डिमरी

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में भाभी 2 के नाम से प्रसिद्ध हुई तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि लैला मजनू की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आई तो उन्हें अभिनय का ए भी नहीं पता था। हाल ही में एक इंटरव्यू में, तृप्ति ने साझा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, मैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं।

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने आगे बताया कि सालों बाद उन्हें 2017 की फिल्म पोस्टर बॉयज में एक भूमिका मिली। लेकिन सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करना उनके लिए मुश्किल था क्योंकि उन्हें अभिनय का ए नहीं पता था। इसलिए, उनके अनुसार, उन्होंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आगे उन्होंने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं।

टाइम 100 की सूची में पायल कपाड़िया ने बनाई जगह

फिल्म निर्माता-निर्देशक पायल कपाड़िया ने टाइम 100 की सूची में जगह बनाई है। इस लिस्ट में अलग-अलग क्षेत्र की सबसे प्रभावी हस्तियों को शामिल किया जाता है। इसमें पायल का नाम भी दर्ज हुआ है। बता दें कि पायल कपाड़िया को उनकी पहली फीचर फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के जरिए काफी लोकप्रियता मिली है। इसके लिए उन्हें प्रतिष्ठित कान पुरस्कार समारोह में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार भी दिया गया।

क्या बोले आयुष्मान खुराना?

पायल कपाड़िया का नाम टाइम 100 में शामिल किए जाने पर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने उनकी तारीफ करते हुए एक नोट लिखा है। एक्टर-सिंगल आयुष्मान खुराना ने पायल के लिए एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने उनकी प्रतिभा की तारीफ की। साथ ही मानवीय अनुभव को बड़े परदे पर उतारने की उनकी काबिलियत को भी सराहा।

इस साल फिल्म ने रचा था इतिहास मई में, कपाड़िया की फिल्म ने प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में 30 वर्षों में प्रतियोगिता के लिए चयनित होने वाली भारत की पहली फिल्म

बनकर इतिहास रच दिया। मई में कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में इतिहास रच दिया। यह 30 वर्षों में इस पुरस्कार समारोह में चयनित भारत की पहली फिल्म बनी और इसे पुरस्कार भी मिला।

कौन हैं पायल कपाड़िया?

पायल कपाड़िया का जन्म मुंबई में हुआ। उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया। इसके बाद एक वर्ष की मास्टर डिग्री सोफिया कॉलेज से की। इसके बाद वे फिल्म निर्देशन की पढ़ाई करने फिल्म एंड टेलिविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया गईं। एफटीआईआई में पायल अपने दूसरे प्रयास में सफल हो पाई। बतौर निर्माता पायल ने 2014 में फिल्म वाटरमैलन, फिश एंड हाफ घोस्ट से डेब्यू किया। यह एक शॉर्ट फिल्म है, जिसका निर्देशन पायल ने किया। इसके बाद इन्होंने कुछ और शॉर्ट फिल्मों का निर्देशन किया। इनमें आफ्टरनून क्लाउड्स, द लास्ट मैंगो बिफोर द मॉनसून और एंड व्हाट इज द समर सेइंग शामिल हैं। वर्ष 2021 में उन्होंने ए नाइट ऑफ नोइंग नथिंग डॉक्यूमेंट्री बनाई।

निर्देशक सुजॉय घोष ने की आलिया भट्ट के अभिनय की तारीफ

अभिनेत्री आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर 2024 सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आलिया भट्ट की इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस ट्रेलर को प्रशंसको का बहुत सारा प्यारा मिला है। प्रशंसकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री की ओर से फिल्म को बहुत सारा प्यार मिला है। इस फिल्म को लेकर अब सुजॉय घोष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद उन्होंने आलिया भट्ट की तारीफ की है। अपने ट्विटर अकाउंट पर सुजॉय घोष ने लिखा आपने जिगरा का ट्रेलर देखा न? आलिया भट्ट को इस अवतार में देखकर काफी अच्छा महसूस हुआ। निर्देशक सुजॉय घोष की ओर से आलिया की तारीफ को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। सुजॉय घोष को कहानी, कहानी 2, लस्ट स्टोरीज, कहानी, बदला जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

तालाबों को किया जाए विकसित : लोकेश एम

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने शनिवार को विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा एवं तालाबों के विकसित करने को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर लोकेश एम ने बताया कि बैठक में सभी वर्क सर्किलों के अंतर्गत विकसित किया जा रहे तालाबों की प्रगति तथा उद्यान विभाग द्वारा विकसित किया जा रहे तालाबों की समीक्षा की गई। इस दौरान ग्राम सोरखा के तालाब हेतु गंदा पानी निकासी एवं तालाबों के सौंदर्य , ग्राम सुल्तानपुर में भी तालाब के सौंदर्य करण के लिए निविदा आदि एवं ग्राम सदरपुर ,हजरतपुर, वाजिदपुर शहदरा, सलारपुर ,झटा ,कुंडली, बदोली ,गुलावली में तालाबों को पुनर्जीवित किया जाने हेतु निर्देश दिए, इसके अलावा विकास कार्यों की भी समीक्षा की ।

बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी ,विशेष कार्य अधिकारी महेंद्र प्रसाद आदि अधिकारी मौजूद थे।

सीईओ ने चार जूनियर इंजीनियर को किया बर्खास्त

नोएडा प्राधिकरण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। प्राधिकरण के ईएंडएम और आईएसटीएमएस विभाग में कार्यरत चार जूनियर इंजीनियरों (जेई) की संविदा समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने उनके खिलाफ मिली शिकायतों और जांच के बाद की है। इस कार्रवाई के बाद नोएडा प्राधिकरण में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों ने बताया कि सीईओ को शिकायत मिली थी कि इन जेई की नियुक्ति में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ हैं। इसके अलावा, यह भी पता चला कि ये चारों जेई प्राधिकरण में ही कार्यरत कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और बाबुओं के रिश्तेदार हैं। इन बाबुओं का बोल बाला इतना है कि कई सालों से इनके विभाग नहीं बदले हैं। इस मामले में विशेष रूप से ईएंडएम विभाग के एक अधिकारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने इन नियुक्तियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और नियुक्ति करने के लिए मोटी रकम वसूली है। प्राधिकरण के सूत्रों का कहना है कि इस अधिकारी के खिलाफ भी जांच की जा रही है। इस अधिकारी के खिलाफ रिपोर्ट तैयार कर रही है, जो आने वाले दिनों में शासन को भेजी जाएगी।

नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने बताया कि चारों जेई को नौकरी से हटा दिया गया है। इन कर्मचारियों के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिली थीं। जांच में ये शिकायतें सही पाई गईं, जिसके बाद यह कठोर कदम उठाया गया है। इस मामले में जांच जारी है, आगे जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

163 शिकायतों में से 12 का मौके पर हुआ निस्तारण

नोएडा। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 163 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 12 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा तहसील दादरी में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याओं का अनुश्रवण किया गया। दादरी तहसील में आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 110 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 6 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिवप्रताप सिंह प्रमेय, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुनील शर्मा, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, एसीपी ग्रेटर नोएडा अमित प्रताप सिंह एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सदर तहसील में अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 10 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 3 शिकायतों का निस्तारण अंधिकारियों के माध्यम से मौके पर सुनिश्चित कराया गया। जेवर तहसील में अपर जिला अधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, यहां पर जनता के द्वारा कुल 43 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 3 शिकायतों का निस्तारण अंधिकारियों के माध्यम से मौके पर सुनिश्चित कराया गया।

युवक पर गोली चलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दादरी। रेलवे रोड पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत एस्कॉर्ट कॉलोनी में करीब एक माह पहले जिम करते समय कुछ लोगों ने एक युवक के ऊपर जानलेवा हमला व फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने उक्त मुकदमे में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दादरी कोतवाली एसएसआई दीनानाथ यादव ने बताया कि करीब एक माह पहले एस्कॉर्ट कॉलोनी स्थित जिम करते समय यश निवासी दौलत राम कॉलोनी के साथ कुछ लोगों ने मारपीट करते हुए फायरिंग की थी। पुलिस ने रामप्रसाद पुत्र धनीराम निवास दौलत राम कॉलोनी थाना दादरी जिला गौतम बुद्ध नगर के प्रार्थना पत्र पर मुकदमा पंजीकृत करके विवेचना के दौरान प्रशांत उर्फ कललन पुत्र सतपाल सिंह निवासी समाउदीपुर व दर्शन पुत्र राकेश निवासी ग्राम रिठौड़ी थाना दादरी गौतम बुद्ध नगर के नाम प्रकाश में आए।

रेलवे रोड पुलिस चौकी प्रभारी हरवीर सिंह ने अपनी टीम के साथ उपरोक्त मुकदमे में फरार चल रहे आरोपी दर्शन पुत्र राकेश निवासी ग्राम रिठौड़ी थाना दादरी गौतम बुद्ध नगर को उसके मकान ग्राम रिठौड़ी से गिरफ्तार किया है।

एनसीआर में होगा सबसे बड़ा डांडिया धमाल

दो दिन आयोजित होगा मनोरंजन और उमंग कार्यक्रम

नोएडा। मीडिया क्लब मे शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जतिन भारद्वाज और अंजली अवस्थी ने बताया कि एनसीआर का सबसे बड़ा डांडिया इवेंट एनसीआर डांडिया धमाल के साथ दशहरा स्पेशल- 11 अक्टूबर और 12 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। यह दो दिवसीय इवेंट इस साल के सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट्स में से एक है, जिसमें धूमधाम और ढेर सारे मनोरंजन का वादा किया गया है। 11 और 12 अक्टूबर को आयोजित इस इवेंट के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, और आपके पास आखिरी मौका है, इस रोमांचक इवेंट का हिस्सा बनने का। यह कार्यक्रम दोनों दिन एनसीआर स्पोर्ट ग्राउंड ग्रेटर नोएडा में शाम 5:00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। बताया कि इवेंट में खासकर संगीत, नृत्य, फैशन, और ढेर सारे उपहारों से भरपूर रहेगा।

जतिन भारद्वाज ने बताया कि 12 अक्टूबर को दशहरे के अवसर पर विशाल रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हर साल की तरह धूमधाम से रावण के पुतले का दहन किया जाएग। साथ ही भारत के सबसे बड़े डी जे में से एक, डी जे तरुण अपनी धुनों के लिए तैयार हैं। वही मुंबई की प्रसिद्ध गायिका दीपिका साओ लाइव परफॉर्मेंस देंगी, जो संगीत प्रेमियों के लिए एक विशेष आकर्षण होगा।

परिवार के चार सदस्यों की हत्या का आरोपी एसटीएफ टीम ने दबोचा

नोएडा। नोएडा एसटीएफ की टीम को उसे समय बड़ी सफलता हाथ लगी, जब उसने अमेठी में हुए एक ही परिवार के चार सदस्यों की हत्या के मामले को अंजाम देने वाले आरोपी को जेवर टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया। एसटीएफ नोएडा के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि अमेठी में हुए लोहा आकर्षक घटना जिसमें एक ही परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या के मामले में एसटीएफ नोएडा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर जेवर टोल प्लाजा के पास से चंदन वर्मा पुत्र मायाराम वर्मा निवासी खत राम मैदान पुर, जनपद रायबरेली को गिरफ्तार किया है। उसने चारों सदस्यों की हत्या करना स्वीकार किया है, एसटीएफ की टीम ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस टीम उससे पूछताछ कर रही है।

सेक्टर-34 में डांडिया नाईट का लोगों ने जमकर उठाया लुत्फ

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित कम्यूनिटी सेंटर में कल शाम फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा आयोजित डांडिया नाइट कार्यक्रम में लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया। इसमें करीब दो हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। गरबा तथा बॉलीवुड के गानों पर सेक्टर निवासियों ने खूब गरबा और डांडिया खेला। फ़ेडरेशन आरडब्ल्यूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया की नवरात्रि के शुभ मौके पर सुमित्रा हॉस्पिटल के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता रानी की आरती से हुई। इसके बाद कप्पल डांडिया और ग्रुप डांडिया शुरू हुआ। इसमें सेक्टर निवासियों ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों की प्रस्तुति के बाद डांडिया का आगाज हुआ। गरबा के गाने शुरू होते ही निवासियों ने ग्रुप बनाकर फ्लोर पर धमाल मचाने शुरू कर दिया। देखते ही देखते सामुदायिक भवन का गार्डन लोगों से खचाखच भर गया। इस दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र वत्स डॉ. डी महापात्र दीपाली पसारी सुरेन्द्र महाजन एम सी भारद्वाज कुलदीप मुंशी प्रदीप सिंह सुशांत भल ओमेन्द्र कुमार अनिल शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

रामलीला में कई प्रसंगों का किया गया वर्णन

नोएडा। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा पिछले 39 वर्षों से रामलीला का मंचन करते आ रहे है उसी परिप्रेक्ष्य में प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन पेश किया गया। जिसमें रामलीला के तीसरे दिन शनिवार को गणेश वंदना के साथ रामलीला का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में डा. टी.एन. गोविल, टी.एन. चौरसिया, संजय बाली, अल्पेश गर्ग,सुषील भारद्वाज, अतुल मित्तल, रमेष कुमार, एस.के.एस. राणा, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, पंकज जिंदल, संजय गोयल, रामरत्न शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, अनिल गुप्ता, संजय गुप्ता, अल्पेष गर्ग, मित्रा शर्मा, विपिन बंसल, विनय शर्मा, जितेन्द्र सिंह, के.के. बंसल, बी.के. मित्तल, एम के अग्रवाल, पवन कुमार गुप्ता, असित मित्तल, अषोक गर्ग, कुलदीप गोयल, उमेष बंसल, परवेष बंसल,चन्द्रपाल सिंह, रमन भोला, अमित झा, सतेन्द्र शर्मा, तुलसीदास थरेजा, पुनीत शुक्ला, बी.के. शर्मा, राहुल गौतम, रविकांत पुरी, प्रमोद रंगा, निखिल गुप्ता, के.पी. सिंह, विकास अग्रवाल, उमानन्द कौशिक, बबीता शर्मा, विनीत मेहता, नरेन्द्र चैपडा, वी.के. सेठ, राकेश कोहली आदि काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

लव कुश धार्मिक रामलीला के मंचन का विधायक ने किया शुभारंभ

दादरी (चेतना मंच)।

लव कुश धार्मिक रामलीला कमेटी के तत्वाधान में श्री अग्रसेन इंटर कॉलेज दादरी में रामलीला का मंचन किया जा रहा है। शनिवार को भगवान राम अपने भाई लक्ष्मण और माता-पिता के साथ संगेश्वरपुर पहुंचे जहां पर उनकी निषाद राज से मुलाकात हुई। विधायक तेजपाल नागर ने श्रीराम की पूजा कर मंचन का शुभारंभ किया।

इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष पवन बंसल, महामंत्री कपिल गोयल उर्फ केशव, विजय बंसल अजय गर्ग, राजीव गर्ग, चंद्रभान वशिष्ठ, प्रमोद शमा, प्रदीप मंगल, सोनू रिंकू प्रधान, पियूष गर्ग, चंद्रेश कंसल, संजीव गर्ग मौजूद रहे।

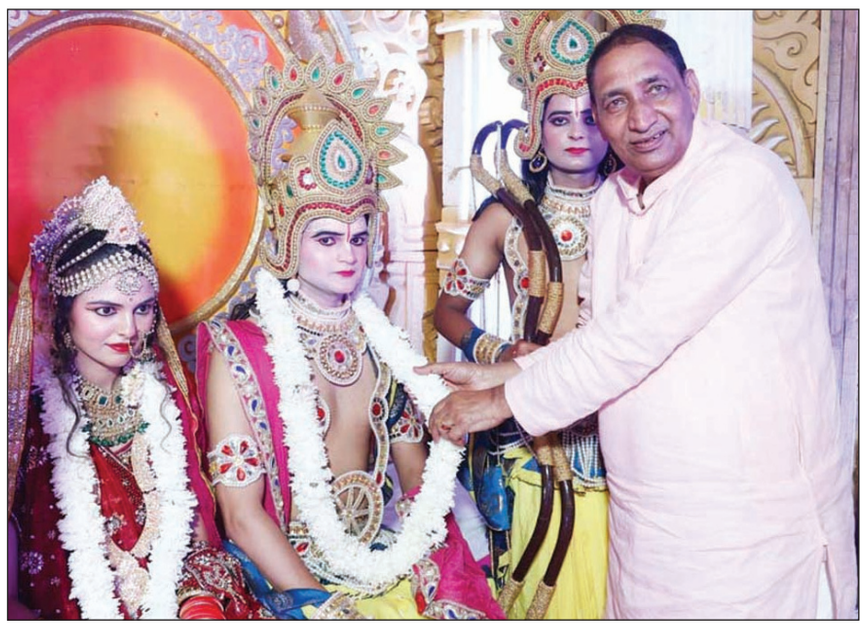

श्री आदर्श रामलीला का मंचन शुरू

दादरी। श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर की रामलीला मंचन में श्री राम जन्म उत्सव, सीता जन्म, श्री रामजी की बाल लीला, राक्षसों के द्वारा गुरु विश्वामित्र का यज्ञ भंग, तड़का व सूंड वध, मिथिला से निमंत्रण, अहिल्या उद्धार का मंचन किया गया।

इस दौरान अध्यक्ष सत्यवीर भाटी, मैथिल ब्राह्मण महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव भारद्वाज, भूदेव शर्मा, मूलचंद शर्मा, कमेटी महासचिव सत्यपाल शर्मा, सुभाष शर्मा, ओमवीर बैसला, अनिल भाटी, लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, सह मीडिया प्रभारी मोहित शर्मा, कोषाध्यक्ष विशाल गोयल, राजेश ठेकेदार, विनोद पंडित, अशोक शर्मा केडी गुर्जर, बीरपाल भगत, डॉक्टर ओमप्रकाश शर्मा, दिनेश शर्मा, अनिल भाटी, लाला नरेश, शिव किशोर आदि मौजूद रहे।

रामलीला मंचन का सभी उठाएं लाभ : नवाब सिंह

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा शनिवार को सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में आयोजित तीसरे दिन की रामलीला का शुभारंभ गणेश पूजन के साथ पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहकर किया। उन्होंने कहा रामलीला आयोजकों द्वारा जनता के सामने रामलीला का मंच एक ऐसा प्लेटफॉर्म दिया है ,इसका लाभ सभी को पहुंचकर उठाना चाहिए।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विनोद त्यागी, नीरज शर्मा, अमित त्यागी, राजेश कुमार सिंघल, आजाद भाटी, रविकांत मिश्रा, नरेंद्र चोपड़ा, राजकुमार गर्ग, अजय बाटला, एसके त्यागी मौजूद रहे, इस अवसर पर रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का जहां स्वागत किया वहीं रामलीला देखने आए लोगों का भी आभार प्रकट किया।

फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने किया रामलीला का शुभारंभ

नोएडा। सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा आयोजित श्रीरामलीला के तीसरे दिन शनिवार को मुख्य अतिथि कैप्टन विकास गुप्ता दर्जा प्राप्त मंत्री और योगेंद्र शर्मा अध्यक्ष फोनरवा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर रामलीला का शुभारंभ किया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, अजीत चाहर, गौरव मेहरोत्रा आदि सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।